दृष्टि The Vision

drishti

सामान्य अध्ययन

निर्धारित समय: 2 घंटा 10 मिनट
Time allowed: 2 Hour 10 Minutes

अधिकतम अंक: ~~200~~ 250
Maximum Marks: 200

Name: PRAHLAD NARAYAN SHARMA

Mobile Number: [redacted]

Medium (English/Hindi): Hindi

Email: Pnsharma002@gmail.com

Center & Date: New Delhi / 13-11-2021

UPSC Roll No. (2021): 6316501

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

All the questions are compulsory.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (*To be filled by Evaluator only*)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	3	11.	60
2.	2	12.	
3.	4.5	13.	
4.	4	14.	
5.	3.5	15.	
6.	6		
7.	5		
8.	3		
9.	4.5		
10.	5.5		
Grand Total (सकल योग)	101/250		

E-872

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

---

* संदर्भ दक्षता औसत है
* परिचय दक्षता औसत है
* विषय-वस्तु दक्षता अच्छा है
* भाषा अच्छा है
* निष्कर्ष दक्षता औसत है
* प्रस्तुति दक्षता औसत है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. दृष्टिकोण — Covid का रोजगार पर प्रभाव
→ यूनिवर्सल बेसिक सर्विस
→ महिला सशक्तीकरण
→ निष्कर्ष

Covid का महिला रोजगार पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़े जो निम्न हैं —

1. कार्य का छूट जाना
2. कार्य के घंटे अनिश्चित होना
3. कार्य की सुनिश्चितता न होना
4. रोजगार के अभाव में गरीमा को ठेस
5. घर पर रहने से domestic violence की घटनाएं बढ़ना।
6. Technology की कमी व skill की कमी के कारण "work from home" में भी परेशानी होना।
7. ऐसे समय में परिवार व रोजगार दोनो के बीच सामंजस्य बैठाने में परेशानी।

यूनिवर्सल बेसिक सर्विसेज प्रोग्राम :-

इसके द्वारा व्यक्ति को एक सम्मानजनक व गरीमा पूर्ण जीवन के लिए आवश्यक सुविधाओं को सरकार के द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा तथा इसके कई रूप वर्तमान में हम देख भी रहे हैं जो निम्न है —

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बेसिक सर्विस

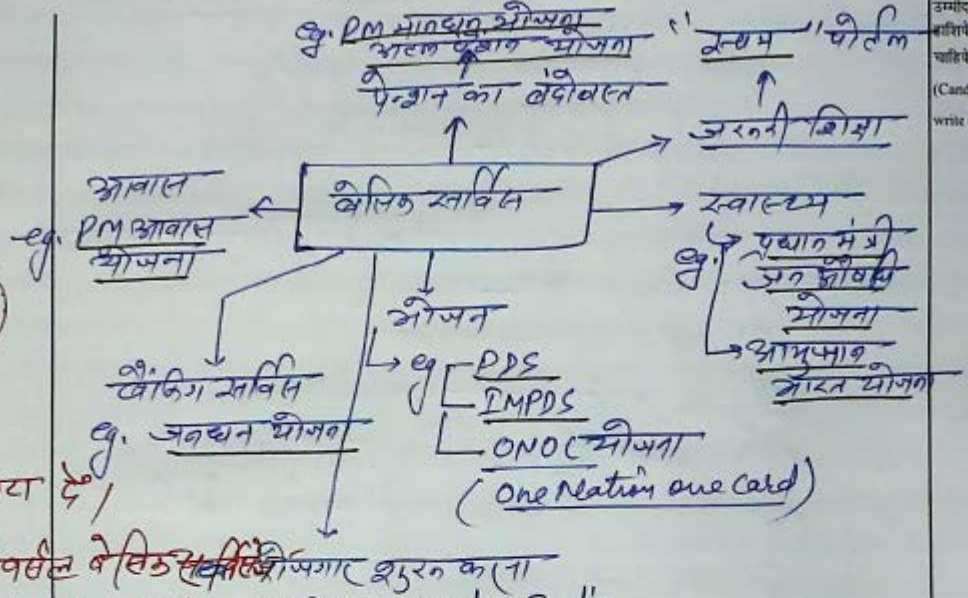

- पेन्शन का बंदोबस्त — eg. PM मानधन योजना, अटल पेंशन योजना
- जरूरी शिक्षा → 'स्वयम' पोर्टल
- स्वास्थ्य — eg. प्रधानमंत्री जन औषधि योजना; आयुष्मान भारत योजना
- आवास — eg. PM आवास योजना
- भोजन — eg. PDS, IMPDS, ONOC योजना (One Nation one Card)
- बैंकिंग सर्विस — eg. जनधन योजना
- रोजगार शुरू करना — eg. Standup India, Startup India

सरकार द्वारा चलाये गये इन योजनाओं से महिला को निम्न रूप से सशक्तिकरण होगा —

1. आय सुनिश्चित होगी
2. अनावश्यक तनाव से मुक्ति
3. कार्यस्थल पर शोषण से मुक्ति
4. स्वयं के पोषण व बच्चे के पोषण का ख्याल।

महिलाओं के लिए सरकार द्वारा onestop centre, मैटरनिटी बेनेफिट प्रोग्राम आदि उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए सकारात्मक प्रयास है।

3/10

* कुछ डाटा दें।
* 'यूनिवर्सल बेसिक सर्विस' प्रोग्राम को संक्षिप्त में बताएं।
* इसके संभावित लाभों/प्रभावों को विस्तार दें।
* इसे राज्य के कल्याणकारी स्वरूप से जोड़ें।
* सशक्तिकरण के अन्य आयाम भी बताएं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. दृष्टिकोण – सार्क ?
भारत की भूमिका
अन्य संगठन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सार्क :- SAARC – दक्षिण एशियाई देशों का समूह है जिसमें भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव शामिल हैं। वर्तमान में यह कार्यरत नहीं है जिसकी प्रमुख वजह पाकिस्तान द्वारा समर्थित आतंकवादी घटनाएं हैं।

SAARC के कार्य :- इसके द्वारा निम्न कार्य किये जाते थे

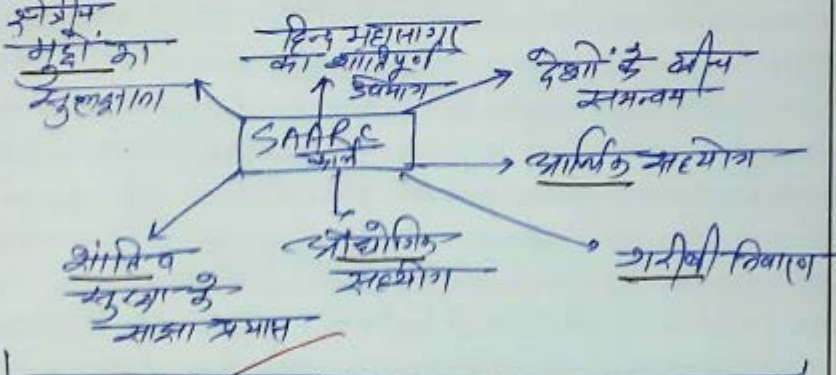

इन अर्थों में यह एक सकारात्मक संगठन था लेकिन इसकी मूलभावना शांति व सहयोग आतंकवादी घटनाएं जैसे 26/11 की घटना, संसद पर हमला, पठानकोट पर हमला के कारण समाप्त हो गयी। इसी कारण भारत ने इसे कुछ समय के लिए महत्व नहीं दिया ताकि पाकिस्तान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

की नीतियों को सामने लाया जा सके।

भारत के पास अन्य विकल्प :-

① BBIN, BIMSTEC, G-20, BRICS आदि के द्वारा सहयोग।

② दक्षिण एशिया में BBIN व BIMSTEC SAARC की जगह बेहतर योगदान कर सकता है जिसको भारत द्वारा भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

⇓

BIMSTEC के सभी राष्ट्र प्रमुखों को PM द्वारा शपथ ग्रहण में बुलाना इसका उदाहरण है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

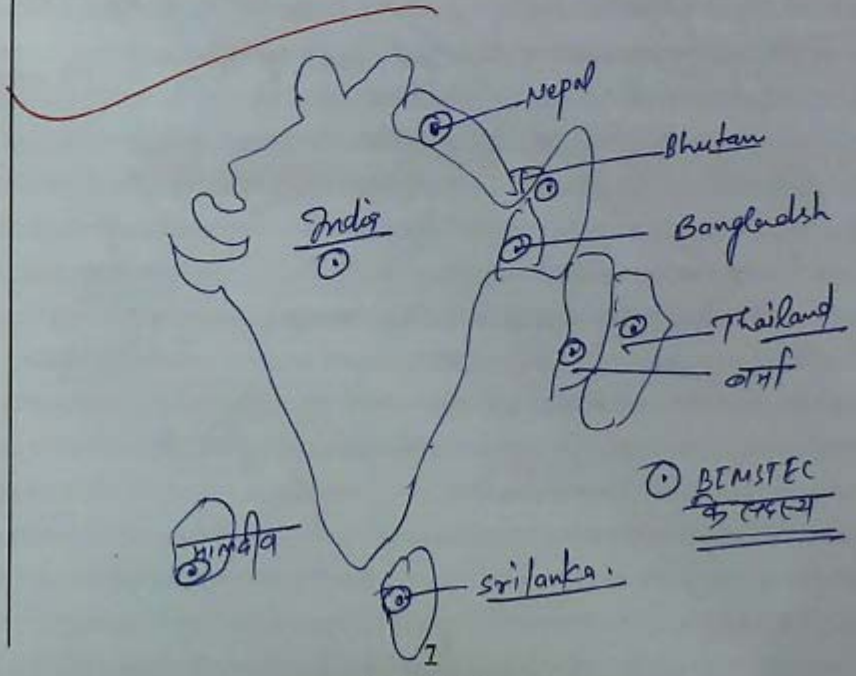

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(3) कलादान multimodel द्वारा thailand तथा म्यांमार से connect करके इनका सहयोग करना।

(4) Bhutan, Bangladesh, India के बीच MotorVehicle Agreement का होना।

भारत द्वारा इन सबके साथ विभिन्न मंचो जैसे UN, IMF, WB, FATF, G-20 के द्वारा पाकिस्तान नीतियों पर एक वैश्विक दबाव बनाकर इसे अपने गलत आदतें को छोड़ने को मजबूर करके वापस SAARC को धीरे-2 पुनर्जीवित करना चाहिए।

2/10

* लाईकी असफलता को बताए। इस हेतु अन्य क्षेत्रीय संगठनों से तुलना करें। जैसे- ASEAN etc। थोड़ा असफलता का कारण भी दें।
* तब भारत के हित में कैसे है? यह बताए।
* अंत में सुझाव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. दृष्टिकोण :- दृढ़ता क्या है।
→ क्यों important
→ other गुण जोड़ते

जॉन लॉक के कथन में दृढ़ता पर जोर दिया गया है दृढ़ता उस गुण को दिखाता है जिसमें हम कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य व इरादों तथा मूल्यों पर टिके रहते हैं अन्यथा कभी भी फिसल सकते हैं।

निम्न उदाहरण से इसे समझ सकते हैं:-

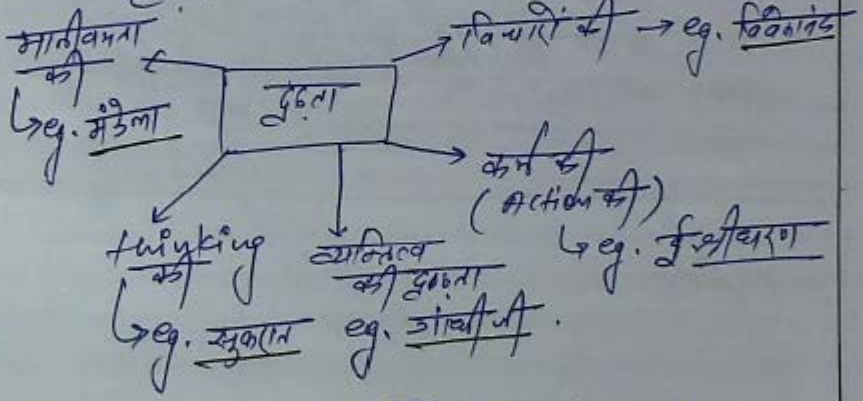

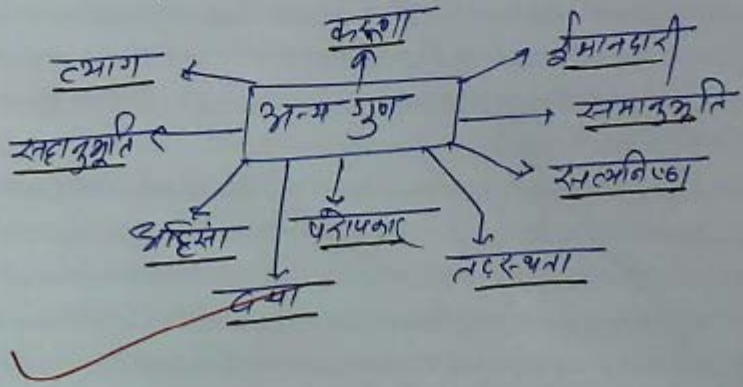

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

① गांधीजी में अहिंसा को लेकर दृढ़ता थी इसलिए कभी भी हिंसा का समर्थन नहीं किया eg. क्रांतिकारी घटनाओं का समर्थन न करना।

② नेल्सन मंडेला में मानवीयता व अश्वेत नस्लवाद को समाप्त करने की दृढ़ता थी इसलिए पूरे 27 साल जेल में बिता दिये।

③ भगत सिंह स्वतंत्रता को लेकर दृढ़ थे अत: हंसते-2 फांसी पर लटक गये।

यदि इनमें दृढ़ता न होती तो ये लक्ष्य कभी प्राप्त नहीं हो पाते अत: अन्य सद्गुणों को बनाये रखने के लिए दृढ़ता आवश्यक है।

4.5/10

* बेहतर प्रयास है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4. दृष्टिकोण - ईमानदारी क्या है
→ नैतिक रूप से ईमानदार क्या है
→ प्रभावी व कुशल सिविल सेवक
→ निष्कर्ष

ईमानदारी :- यह एक नैतिक मूल्य है जिसमें कोई भी सिविल सेवक अपने लक्ष्यों को पाने के लिए समर्पित रहता है कार्य के प्रति समर्पण भाव दर्शाता है। लेकिन यह सभी परिस्थितियों में समर्पण भाव की आशा नहीं कर सकती।

ज्यादा ही नैतिक संकट के समय सिविल सेवक "corrupt" हो सकता है जब उसे स्वयं तथा अन्य के हित दिखना हो।

नैतिक रूप से ईमानदारी :- यह एक तरह से ईमानदारी का वह रूप है जो एक सिविल सेवक सभी परिस्थितियों में follow करता है यह सत्य निष्ठा के करीब है। इसमें तीन तत्व होते हैं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

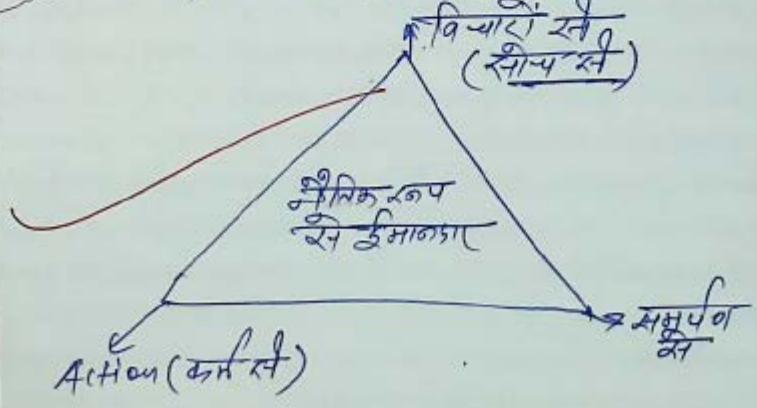

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सिविल सेवकों के कुशल व प्रभावी होने की आवश्यकता निम्न कारणों से है:-

कारण

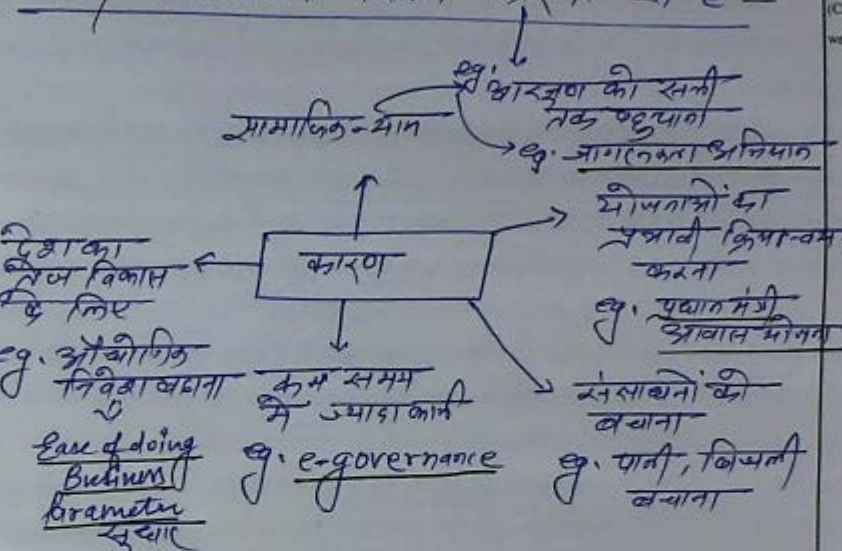

- सामाजिक न्याय
  - eg. आरक्षण को सही तक पहुँचाना
  - eg. जागरूकता अभियान
- योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करना
  - eg. प्रधानमंत्री आवास योजना
- संसाधनों को बचाना
  - eg. पानी, बिजली बचाना
- कम समय में ज्यादा कार्य
  - eg. e-governance
- देश का तेज विकास के लिए
  - eg. औद्योगिक निवेश बढ़ाना → Ease of doing Business parameter सुधार

वर्तमान में सरकार द्वारा सिविल सेवकों के training पर विशेष ध्यान दे रही है तथा iGOT प्लेटफार्म द्वारा उनके skill पर ध्यान देकर तथा Code of Ethics लाकर इसे और मजबूती दिया जा सकता है।

4/10

निष्कर्ष में बताए कि ईमानदारी के साथ कुशलता एवं प्रभाविता का गुण भी आवश्यक है। यह राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

5.

दृष्टिकोण
- मानवता क्या है?
- पूंजीवाद क्या है
- → टकराव
- → आलोचना

मानवता :- मानवता एक मूल्यों का समुच्चय है जिसमें व्यक्ति मानवीय सहायता, उसकी गरीमा, उसके प्रति प्यार, करुणा तथा सम्मान को दर्शाता है।

पूंजीवाद :- यह आर्थिक विचार धारा है जिसका मुख्य मकसद निम्न है -

पूंजीवाद
- Invisible Hand की अवधारणा
- आर्थिक लाभ कमाना
- उत्पादन के साधनों का निजीकरण
- बाजारवाद को बढ़ावा देने वाली
- निजी हाथों में उत्पादन व वितरण
- भौतिकवाद को बढ़ावा देने वाली
- खरीदने की शक्ति का समर्थन → जिसके पास पैसा उसकी सेवा

eg. अमेरिका
ब्रिटेन आदि की अर्थव्यवस्था

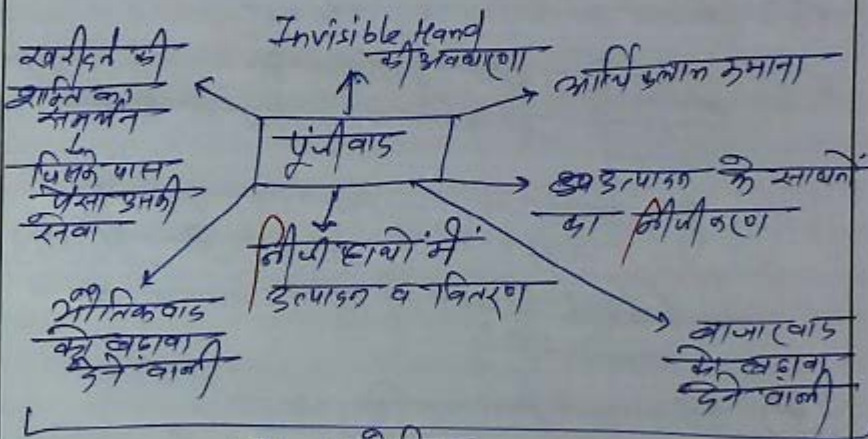

भारतीय अर्थव्यवस्था इस सन्दर्भ में मिश्रित है।

भारतीय अर्थव्यवस्था

मिश्रित ⇒ पूंजीवाद + समाजवाद

रिलायंस → निजी उद्योग | सरकारी जन कार्यक्रम eg. PM आवास योजना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कोरोना काल में ठहराव :-

1. पेटेन्ट विवाद :- गरीब देशों को vaccine का न मिल पाना
eg. फाइजर की महंगी vaccine

2. व्यापार घाटा की बढ़ोतरी :-
इन गरीब देशों को नुकसान जिनकी आर्थिक संरचना कोरोना से नष्ट हो गयी है उत्पादन क्षमता कम हो गयी।
eg. अफ्रीकी देश

3. अनिवार्य लाइसेंसिंग पर विवाद

4. WTO के बाली सम्मेलन के प्रावधानों तथा दोहा के प्रावधानों का लागू न किया जाना।
eg. इसके तहत गरीब देश संकट के समय अपने Health से Related Patent नियमों की स्वयं व्याख्या कर सकते हैं।

5. लोगों का रोजगार छिन जाना :-
↳ इस समय पूंजीवादी अर्थव्यवस्था online माध्यम से कार्य कर Physical कार्य को हतोत्साहित कर रही है।

6. अमेरिका द्वारा गरीब देशों को वैक्सीन पर जरूरत वाली अवस्था में अपने नागरिकों को महत्व देना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसी सन्दर्भ में देखने से यह भी लगता है कि भारत ने अपने सभी पड़ोसी देशों को आर्थिक व वैक्सीन देकर पूंजीवादी विचार धारा से ज्यादा मानवता को महत्व दिया है।

3.5/10

* लाभ एवं लोककल्याण के बीच संतुलन स्थापित करने में सरकार की भूमिका बताए
* निष्कर्ष में पूंजीवादी उद्देश्य पर पुनर्विचार का सुझाव दें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भूमिका : बक्सर की लड़ाई
→ इसका British साम्राज्य का विस्तार व सुदृढ़ीकरण में योगदान
→ विश्लेषण
→ निष्कर्ष

बक्सर का युद्ध :- बक्सर का युद्ध 1764 में अंग्रेजों तथा मुगल सेनापति शाह आलम, अवध के नवाब तथा बंगाल के नवाब शुजाउद्दौला के बीच लड़ा गया।

बक्सर की लड़ाई के मुख्य कारण :-

i) अंग्रेजों द्वारा बंगाल के शासन में हस्तक्षेप करना।
ii) व्यापारिक एकाधिकारों का उल्लंघन करना
iii) राज्य की सम्प्रभुता के लिए खतरा उत्पन्न करना
iv) अंग्रेजों का भारत में मजबूती का डर

बक्सर के युद्ध के बाद ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार :-

बक्सर के युद्ध के बाद इलाहाबाद की संधि के द्वारा अंग्रेजों को बंगाल, बिहार व उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हो गयी जिसका उपयोग कर अंग्रेज भारत से सामान खरीदते व ब्रिटेन में बेचकर भारी मुनाफा कमाते थे।

दीवानी अधिकार के अलावा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बंगाल में द्वैध शासन की स्थापना की गयी जिसके द्वारा बंगाल का प्रशासन अंग्रेजों के हाथों में आ गया। इसके निम्न प्रभाव पड़े –

i> कंपनी की आय सुनिश्चित हुई

ii> व्यापार का दायरा बढ़ा

iii> बंगाल राजपूत, मराठा व अन्य शक्तियों से सुरक्षित दूरी पर था अतः राज्य विस्तार हो सका

iv> कंपनी की सैन्य शक्ति बढ़ी

v> यहां के धन बल का इस्तेमाल अन्य जगहों के विद्रोह को दबाने के लिए किया गया।

↓

भारी मुनाफा कमाना

↓

कंपनी का सुदृढ़ीकरण करना।

बक्सर के युद्ध ने अंग्रेजों के साम्राज्य विस्तार व सुदृढ़ीकरण को मजबूती देने का काम किया जिसकी नींव प्लासी के युद्ध से पड़ चुकी थी।

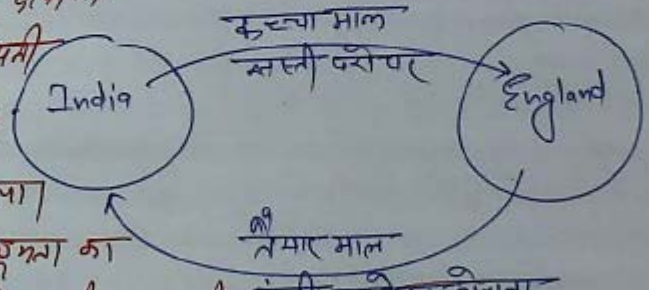

* बक्सर की जीत के पश्चात् मिले दीवानी अधिकार ने कंपनी की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया फलतः सैन्य शक्ति का विकास हुआ साथ ही मुगल/आने वाले वर्षों में कंपनी बिना उत्तरदायित्व अपनी प्रशासनिक पकड़ को मजबूत की।

6/15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. दृष्टिकोण :- → स्थानीय शासन क्या है?
→ पारदर्शिता व दक्षता के उपाय
→ स्मार्ट व समावेशी शासन
→ कदम?

स्थानीय शासन :- भारत में 73वें तथा 74वें संविधान संशोधन के द्वारा पंचायतों तथा नगरपालिकाओं की स्थापना की गयी जिसका मुख्य लक्ष्य लोगों की प्रशासन में भागीदारी बढ़ाना तथा समावेशी विकास था।

स्थानीय निकायों में पारदर्शिता व दक्षता के उपाय :-

i> सिटिजन चार्टर को अच्छे से लागू करना
eg. MGNREGA
PM-ग्रामसड़क योजना

ii> निकाय चुनावों में धन बल के इस्तेमाल पर रोक
eg. C-vigil App का इस्तेमाल करना

iii> Social Audit को अपनाना
eg. MGNREGA

iv> ग्राम सभा के निर्णयों का लेखा जोखा रखना

v> ग्राम में बजट का पूरा Computerization के द्वारा डेटा रखना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दक्षता के उपाय :-

i> ~~training~~ Skill development

ii> ट्रेनिंग उपलब्ध कराना

eg. संरपच को प्रौद्योगिकी का प्रशिक्षण

iii> गांव व निकायों की कार्यप्रणाली को digital रूप में लाना।

eg. भूलेखों का डिजीटलीकरण

सरकार द्वारा इसके लिए उठाये गये कदम :-

i> गांवों में तथा निकायों मे Social Audit को अपनाने पर जोर।

ii> Common Service Centre द्वारा लोगों को ऑनलाइन सर्विस दी जा रही हैं।

iii> प्रधानमंत्री भूमि डिजीटलीकरण योजना का क्रियान्वयन।

iv> प्रगति (PRAGTI) योजना के तहत यहां की योजनाओं की निगरानी।

v> Remotesensing का उपयोग कर निगरानी करना।

v> जियोटैगिंग का इस्तेमाल किया जा रहा है।

eg. महानरेगा के द्वारा निर्मित ढांचा।

vi> प्रधानमंत्री डिजिटल साक्षरता अभियान द्वारा लोगों को टैक्नोलॉजी की समझ देना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इन सभी कदमों के साथ यदि गांवों में लोगों को Social media द्वारा जागरूक किया जाये तो इसका प्रभावी परिणाम देखने को मिलेगा।

5/15

* वर्तमान में स्थानीय निकाय प्रबंधन की समस्या को बताना
* तत्पश्चात पारदर्शिता एवं दक्षता के उपाय इन समस्याओं को कैसे दूर कर सकते हैं यह बताना विशेषतः स्मार्ट
* एवं समावेशी शासन के विकास में।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. दृष्टिकोण : — सुभाषचन्द्र बोस
— सामाजिक सुधार
→ उनका योगदान
→ स्वतंत्रता की धारणा

सुभाषचन्द्र बोस ~~[crossed out]~~ सिविल सेवा के एक अच्छे कैरियर चुनाव को छोड़कर राष्ट्रीय आन्दोलन में शामिल हो गये तथा इन्होंने असहयोग आन्दोलन में प्रभावी भूमिका निभायी।

सुभाष चन्द्र बोस द्वारा निम्न सामाजिक सुधारों पर जोर दिया गया -

सामाजिक सुधार
- शिक्षा को बढ़ावा देना
- महिला शिक्षा
- गरीबों का शोषण रोकना
- हिन्दू व मुस्लिम एकता
- लोगों को रूढ़िवादी होने से रोकना
  eg. कर्मकांड, बलिप्रथा
- महिला की स्थिति में सुधार करना
  eg. बालविवाह, दहेज प्रथा

राष्ट्रीय आन्दोलन में सामाजिक सुधारों का योगदान :-

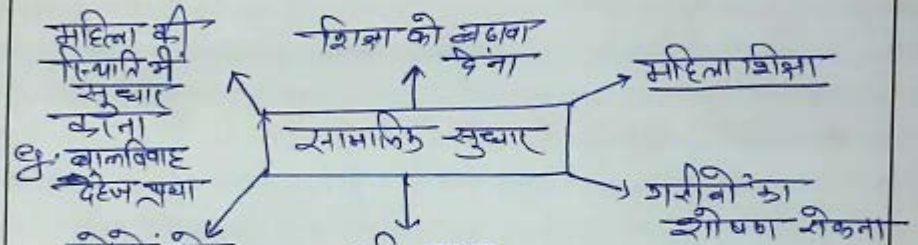

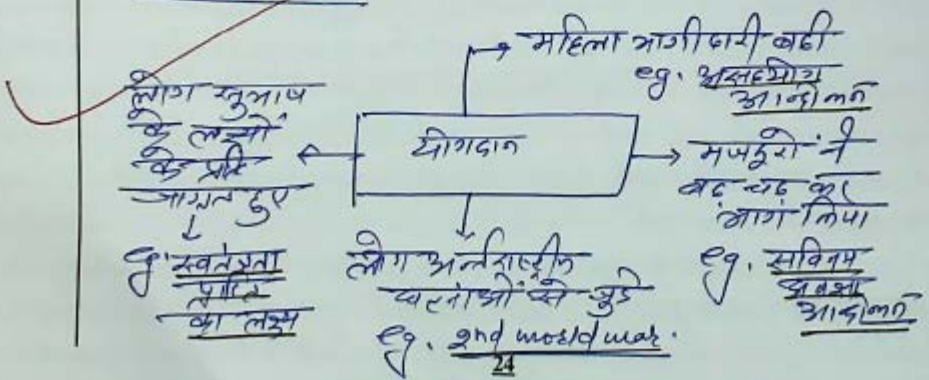

योगदान
- महिला भागीदारी बढ़ी
  eg. असहयोग आन्दोलन
- मजदूरों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया
  eg. सविनय अवज्ञा आन्दोलन
- लोग अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं से जुड़े
  eg. 2nd world war.
- लोग सुभाष के लक्ष्यों के प्रति जागृत हुए
  → eg. स्वतंत्रता प्राप्ति का लक्ष्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सुभाष चन्द्र बोस की स्वतंत्रता की अवधारणा !-

साधन ——— **साध्य**

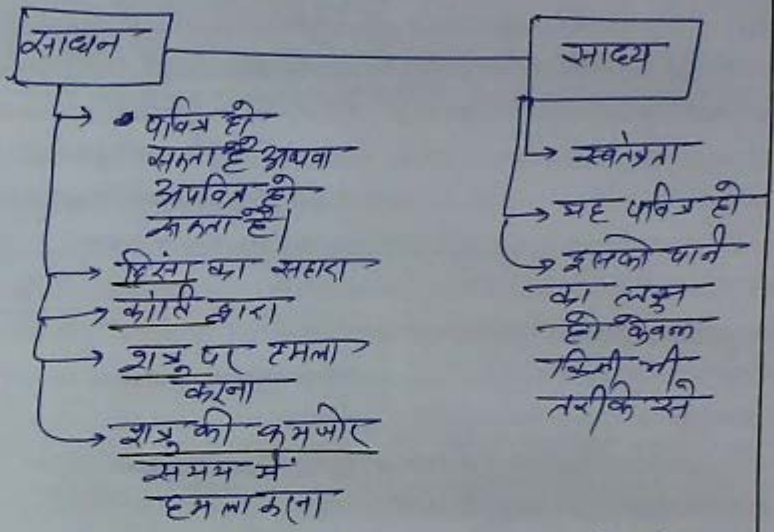

साधन:
- पवित्र हो सकता है अथवा अपवित्र भी सकता है
- हिंसा का सहारा
- क्रांति द्वारा
- शत्रु पर हमला करना
- शत्रु की कमजोर समय में हमला करना

साध्य:
- स्वतंत्रता
- यह पवित्र हो
- इसको पाने का लक्ष्य हो केवल किसी भी तरीके से

सुभाष चन्द्र बोस केवल साध्य की पवित्रता पर जोर देते थे जबकि गांधीजी साध्य व साधन दोनों की पवित्रता पर जोर देते थे

3/25

* अवधारणात्मक समझ को मजबूत कीजिए S.C. Bose के समाजवादी विचारों को उद्घाटित करना प्रश्न की मांग है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

9\. दृष्टिकोण : 1857 की क्रांति
→ कारण
→ परिणाम
→ उसके बाद English नीतियां

1857 की क्रांति की शुरुआत 10 May 1857 को हुई जो मेरठ छावनी से शुरु हुई लेकिन इसका कारण अंग्रेजों की सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक नीतियां थी जिनसे लोगों में गुस्सा भरा गया।

अंग्रेजों के कार्य जिनके कारण क्रांति का मार्ग प्रशस्त हुआ –

1> कुल्प लगान दरें

2> राज्यों की उत्तराधिकार का, उनका अधिकार छिन लेना (डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स)
eg. झांसी, सतारा

3> सहायक संधि प्रणाली
eg. सुरत, अवध

4> धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप
eg. विधवा पुनर्विवाह अधिनियम, 1856

5> राज्यों के स्वंय के मामले
eg. नाना साहेब का पेंशन का मामला।
→ अवध का अधिग्रहण का मामला।

यह प्रस्तावना/प्रश्न की मांग नहीं है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आन्दोलन विफलता का कारण :-

1> सही समय पर क्रांति न होना।
2> सही नेतृत्व क्षमता का अभाव
3> समन्वय का अभाव
4> हथियारों की कमी।

1857 की क्रांति के बाद अंग्रेजों की नीतियाँ :-

(1) भारत से कम्पनी का शासन पूरी तरह समाप्त कर दिया गया।
(2) ब्रिटिश क्राउन के अधीन शासन
(3) गवर्नर जनरल के पद को वायसराय का पद बनाया गया।
(4) भारत सचिव का पद सृजन
(5) राज्यों के अधिकारों की रक्षा का आश्वासन।
(6) "डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स" का त्याग
(7) सेना में यूरोपीय सैनिक की संख्या बढ़ाई गई।
(8) लड़ाकू व गैर लड़ाकू जातियों में विभेद करना।
(9) हिन्दू व मुस्लिम भेदभावों को बढ़ावा देना start.
(10) धार्मिक तुष्टिकरण की नीति

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1857 की क्रांति के बाद अंग्रेजों ने सामाजिक सुधारों की जगह कंपनी के सुदृढ़ीकरण पर ध्यान दिया तथा यहां धार्मिक तुष्टिकरण को बढ़ावा दिया जिसका भयावह परिणाम भारत विभाजन के रूप में देखा गया।

4.5/15

* अवधारणात्मक समझ को मजबूत कीजिए।
इं-टु-प्वाइंट उत्तर लिखें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10\. द्रष्टिकोण - जलवायु परिवर्तन क्या है
→ चक्रवात क्या है
→ कहा पर ज्यादा
→ शमन नीति
→ कदम
→ विश्लेषण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जलवायु परिवर्तन !- मानवीय क्रियाकलापों के कारण जलवायु पर पड़ने वाला विपरीत प्रभाव जैसे Global warming, हरित ग्रह प्रभाव आदि को जलवायु परिवर्तन कहते हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण चक्रवात बढ़ने का कारण !-

1. समुद्रों का गर्म होना
2. गर्म समुद्रों द्वारा ज्यादा आर्द्रता निर्माण
3. आर्द्रता के कारण गुप्त ऊष्मा के रूप में पर्याप्त ऊर्जा की प्राप्ति व चक्रवातों का निर्माण।

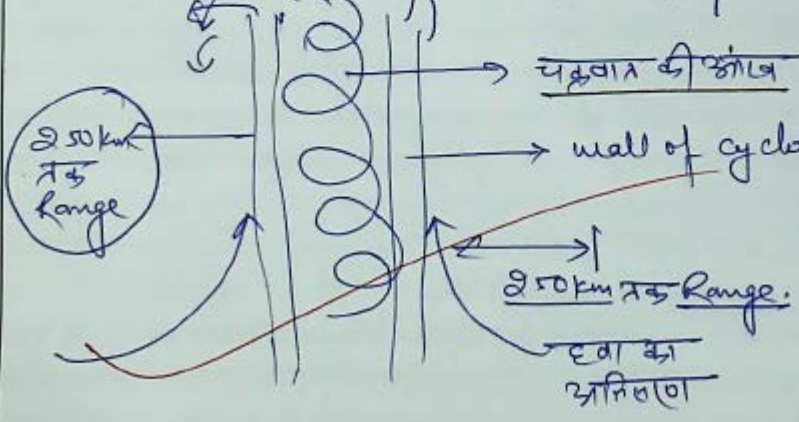

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

इन सभी राज्यों का तटीय भागों से जुड़ा होना इनकी सुभेद्यता को बढ़ाता है।

इन सबके लिए आपदा प्रबंधन की जरूरत है जो निम्न है -

1> आपदा से पहले की तैयारी

पहले से पक्के आश्रय का निर्माण

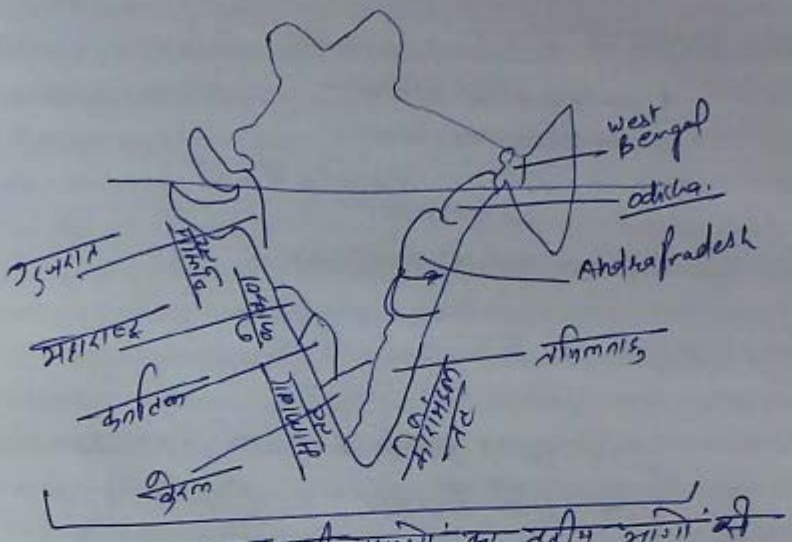

आपदा से पहले:
- पहले से पक्के आश्रय का निर्माण
- जनजागरूकता → eg. प्रश्नावली
- SMS alert
- सुरक्षित जगहों पर प्रवास eg. शिविर
- लोगों को चेतावनी देना eg. बिजली गिरना, चक्रवात आना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

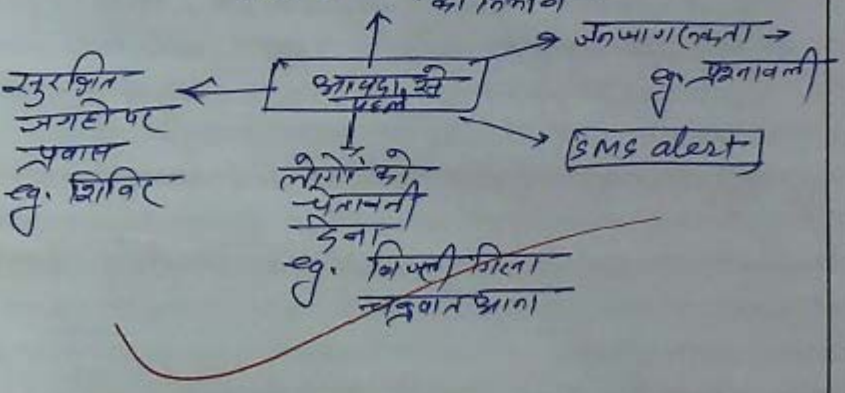

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2) आपदा के समय :-
→ Medical सुविधा
→ भोजन सुविधा
→ तेजी से राहत कार्यक्रम लागू करना
→ पिड़ितों को बचाना

③ आपदा के बाद :-
→ पुनर्वास की ओर
→ "Build Back Better" Strategy
→ मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग करना
→ आर्थिक सहायता प्रदान करना
→ बच्चों के स्कूलों का प्रबंधन करना।

सरकार द्वारा सेन्डई फ्रेमवर्क को अपनी आपदा प्रबंधन नीति में अपनाना तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 को लागू करना इसका सकारात्मक कदम है इसी कारण अब चक्रवाती के कारण पहले की तुलना में कम जानमाल की हानि होती है।

5.5/25

* उपायों को प्रश्न में पूछे गए आधार पर वर्गीकृत कीजिए जैसे- शमन की रणनीति आदि।

* चक्र के रूप उदा० भी दे सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

" गरीबी क्रांति और अपराध की जननी है"

" मैंने गरीब को खाते देखा है
मैंने गरीब को मुस्कुराते देखा है
मैंने गरीब को सम्मान पाते देखा है
मैंने गरीब को आशावादी बनते देखा है
अनन्त की आरजू न रह अब मुझे
मैंने गरीब को सम्मान होते हुए देखा है।"

कवि की यह कल्पना दर्शाती है कि वर्तमान में गरीबी पूरे विश्व में एक प्रमुख मुद्दा बन गया है; चाहे वह UN के SDG (Sustainable Development goal) संख्या-1 हो; या मिलेनियम डवलपमेन्ट गोल हो; या आई एम एफ, विश्व बैंक अथवा एशियन डेवलपमेंट बैंक की रिपोर्ट हो; या देशों की राजकोषीय अथवा मौद्रिक नीतियां हों; या SCO, BIMSTEC, G-20, BBIN, G-8 के क्षेत्रीय सहयोग एजेन्डा हो; गरीबी की स्तरों ने मानवता व मानव की गरिमा के लिए एक कलंक माना है।

संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों की घोषणा में, अपने विकास के एजेन्डे में, गरीबी को एक अभिशाप के तौर पर देखा है तथा विश्व बैंक ने तो अपनी रिपोर्ट में कहा है कि "विश्व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

में किसी एक स्थान पर गरीबी विश्व के अन्य स्थानों की शांति के लिए खतरा है अर्थात यदि विश्व के एक कोने में गरीबी होगी तो उसका प्रभाव वैश्वीकरण के कारण अन्य जगह भी पड़ेगा।

गरीबी को अलग-अलग परिप्रेक्ष्य से परिभाषित किया गया है यदि UNDP के HDI की बात करे तो शिक्षा, स्वास्थ्य तथा जीवन स्तर का पर्याप्त न होना गरीबी है; यदि अमर्त्य सेन की माने तो बेसिक सर्विस का न होना तथा कौशल क्षमता न होना गरीबी का कारण है।

यदि विश्व बैंक के रिपोर्ट "The Economic prospects" के बात करे तो उसमें गरीबी का कारण देश में पर्याप्त रोजगार, आर्थिक गतिविधियों तथा आधारभूत संरचना का न होना है।

इन सभी आधारों पर गरीबी को एक ऐसे मापदण्ड से मापा जा सकता है जहां व्यक्ति के पास बेसिक जरूरत जैसे - रोटी, कपड़ा, मकान, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, स्वच्छ पेयजल, आदि की पूर्ति के लिए पर्याप्त संसाधनों का न होना है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए। (Candidate must not write on this margin)

गरीबी को इतनी महत्व देना इसलिए भी आवश्यक है कि एक गरिमा पूर्ण जीवन के अधिकार को तहस नहस करने के अलावा यह पूरे विश्व की शांति व मानवता के लिए भी खतरा है यह क्रांति को जन्म दे सकती है जिसे हम रूस की निरंकुश शासन प्रणाली के संदर्भ में देख सकते है जहा जनता गरीबी व भुखमरी से त्रस्त थी तो राजा भोग-विलास में लिप्त था।

गरीबी व असमानता के कारण विश्व में गृह युद्ध का जन्म हो सकता है तथा अरब जैसी spring का निर्माण हो सकता है जिसमें गरीबी से त्रस्त जनता तानाशाह सरकारों को हटाकर वह लोकतांत्रिक सरकार के निर्माण को तवज्जो देती है ताकि सरकारे इनके विकास तथा उनकी मौलिक जरूरतों के लिए संसाधनों का समुचित वितरण कर सके।

यमन में गृह युद्ध, सीरिया में गृह युद्ध, ईरान में सरकार विरोधी घटनाएं वेनेजुएला में गृह युद्ध अप्रत्यक्ष रूप से गरीबी से उत्पन्न हुए माने जा सकते हैं।

गरीबी के कारण दुनिया में एक दूसरी समस्या अपराध का बोलबाला बढ़ना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भी है। यदि पूरे विश्व की बात करे तो गरीब जनता अपराध की दुनिया में प्रवेश कर अपने लिए संसाधन जुटाने तथा अपराध करने से नहीं हिचकते हैं।

गरीबी के कारण वेदना का स्तर बढ़ता है लोगों में असंतोष बढ़ता है तथा वे इन्हें पाने के लिए जब सरकार से असंतुष्ट हो जाते हैं तो अपराध की दुनिया की ओर गमन करना प्रारम्भ कर देते हैं; नक्सलवाद, उग्रवाद, अलगाववाद, क्षेत्रवाद, नृजातीय संघर्ष, सांप्रदायिक तनाव गरीबी से उपजी समस्याएं हैं।

गरीबी से परेशान लोग कई बार संगठित अपराध में संलिप्त पाये जाते है जिसमें मानव तस्करी, Drugs की तस्करी, हथियारों की तस्करी, नकली नोटों की तस्करी शामिल है। ये सभी घटनाएं किसी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौतियां खड़ी करती हैं।

अगर हम भारत के संदर्भ में बात करे तो आजादी के समय हमारे देश में आधी जनसंख्या से ज्यादा गरीब थी जो औपनिवेशिक शासन द्वारा लागू औपनिवेशिक शोषण नीतियों का परिणाम थी जिसका शुरुआती प्रभाव कई क्षेत्रों में किसान आन्दोलन जैसे तेलंगाना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आन्दोलन के संदर्भ में देख सकते हैं।

भारत ने एक अल्प विकसित देश के रूप में अपनी यात्रा की शुरुआत की थी जो ~~एक~~ ~~विक~~ अब विकासशील बन चुका है व विकसित देश की ओर आगे बढ़ रहा है परन्तु हमारे देश में आज भी लगभग 20 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

भारत में गरीबी ने नक्सलवाद, अलगाववाद, क्षेत्रवाद, साम्प्रदायिक तनाव, जातिगत शोषण, महिला शोषण को बढ़ावा दिया है। गरीब व्यक्ति का शोषण करना वर्तमान में भी जारी है जिसे उन्हें भौतिक संसाधन उपलब्ध कराके पूरा कर सकते हैं।

भारत में तेंदुलकर समिति के अनुसार 25% जनसंख्या गरीब है; तो World Bank के अनुसार यह आंकड़ा 14% के आसपास है तथा Asian Development Bank के अनुसार यह आंकड़ा 24% है; परन्तु जो भी हो गरीबी देश में आज भी एक प्रमुख समस्या है।

विश्व स्तर व भारत के स्तर पर ~~क्रां~~ क्रांति व अपराध के रूप में गरीबी का एक प्रमुख कारण रहा है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

परन्तु इसके लिए उत्तरदायी दूसरे कारणों को भी झुठलाया नहीं जा सकता जैसे धार्मिक कारण - शिया व सुन्नी विवाद; प्रोटेस्टेन्ट व कैथोलिक विवाद, श्वेताम्बर - दिगम्बर विवाद; कट्टरपंथी कारण - IS द्वारा इस्लामी राष्ट्र की स्थापना; सम्प्रदायवाद - एक सम्प्रदाय द्वारा दूसरे को दबाना तथा असहनशीलता की प्रवृत्ति; नृजातीय संघर्ष - कुर्द लड़ाके इत्यादि।

भारत में अपराध की दुनिया के कारण सांस्कृतिक कारण उत्तर पूर्व में है जो उग्रवाद व अलगाववाद के रूप में सामने आते है; उग्रवाद, नक्सलवाद तथा आंतकवाद - गैर राज्य तत्वों द्वारा प्रोत्साहित रहे हैं।

विश्व के स्तर पर मधेशी आंदोलन नेपाल के संविधान द्वारा उन्हें अधिकार न देने के कारण हुआ। श्रीलंका में लिट्टे का उद्भव भाषागत भेदभाव से उत्पन्न हुआ। चीन में उइगर को दबाना वह धार्मिक असंतोष का कारण है तो हांगकांग आन्दोलन का कारण स्वतंत्रता पर अंकुश लगाना रहा।

निष्कर्षतः वैश्विक व भारत के स्तर पर गरीबी के कारण समस्याएं बहुआयामी जान पड़ती है अतः इसको दूर करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की जरूरत है जिसमें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

13.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गरीबों को बेसिक सर्विस दे सके। UN के द्वारा UN food Programme, यूनिसेफ द्वारा स्वास्थ्य परियोजनाएँ चलायी जा रही हैं। IMF, world Bank, Asian Development Bank तथा Asian Infrastructure Investment Bank द्वारा देशों को पूंजी निवेश देकर वहां बेसिक ढ़ांचा को बढ़ावा दिया जा रहा है।

भारत में सरकार के द्वारा गरीबी को हटाने के लिए प्रधानमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना, प्रधान मंत्री जन औषधी योजना, अटल पेंशन योजना, जन धन योजना, Standup योजना, Startup India स्कीम की शुरुआत की गयी है।

लोगों को पर्याप्त भोजन मिल सके उसके लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS), तथा मिड डे मिल की शुरुआत की तथा NFSA, 2013 - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम द्वारा लोगों को भोजन की वैधानिक सुरक्षा प्रदान की गयी है।

लोगों को शिक्षित करने के लिए सर्वशिक्षा अभियान, स्वयं पोर्टल का शुभारंभ, विद्यांजली योजना, पढ़ेगा भारत - बढ़ेगा भारत, अटल इनोवेशन मिशन की शुरुआत की गयी है जो सकारात्मक कदम है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अगर हम वैश्विक स्तर व भारत के स्तर पर वर्तमान प्रयासों का मूल्यांकन करते हैं तो पाते हैं कि गरीबी सभी सरकारों, संस्थाओं, संगठनों तथा लोगों के लिए केन्द्रीय मुद्दा है। गरीबी को समूल जड़ से खत्म करने तथा सभी को अनुच्छेद-21 प्रदान करने के लिए एक साथ सुदृढ़ प्रयास करने की जरूरत है।

लेखक ने सही कहा है कि "गरीबी में पैदा होना अपराध नहीं है परन्तु गरीबी में ही मर जाना अपराध है।"

"ये वंचनाओं का दौर
ये वेदनाओं का दौर
जाने वाला है।"

"सूरज सी रोशनी
हवा सी गति
पानी सी निश्छलता
जमीन सी पावनता
आने वाली है।"
खुशियों का दौर
सफलताओं का दौर
आने वाला है।"

अब जल्द ही पूरे विश्व में वसुधैव कुटुम्बकम तथा सर्वधर्मसमभाव की भावना का प्रसार होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

"सर्वे भवन्तु सुखिन
सर्वे सन्तु निरामया
सर्वे भद्राणी पश्यन्तु
माकश्चिद्दुक भागभवेत"

अर्थात सभी सुखी रहे; सभी निरोगी हो, सभी का भला हो।"

60/125

* गरीबी एवं हीनता तथा अपराध के कारण को और अच्छे से लिए करने की जरूरत है। जैसे- भारत में नक्सलवाद एवं उग्रवाद की समस्या से ग्रसित राज्य आर्थिक-सामाजिक रूप से भी अधिक पिछड़े हैं वहीं गरीबी में अधिक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

9:25
12:36

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–01)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/21 (O-D)–M–**GSM (MIV) 2101**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: PRAHLAD NARAYAN SHARMA **Mobile Number:** [redacted]

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** DVF/MP/2021/49

Center & Date: New Delhi / 15-11-2021 **UPSC Roll No. (If allotted):** 6316501

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (*To be filled by Evaluator only*)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	2.5	11.	6
2.	4	12.	6.5
3.	3.5	13.	5
4.	4	14.	4
5.	3.5	15.	2
6.	4.5	16.	3.5
7.	4.5	17.	7
8.	4	18.	7
9.	3.5	19.	4.5
10.	3.5	20.	7
Grand Total (सकल योग)			90

E-671
मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

- संदर्भ दक्षता व विषयवस्तु दक्षता अच्छी है।
- उत्तर की प्रस्तुति दक्षता अच्छी है।
- भूमिका तथा निष्कर्ष लेखन अच्छा है।
- भाषा प्रवाह अच्छा है किन्तु थोड़ा अक्षर को स्पष्टता से लिखने का प्रयास करें। कुछ शब्दों में अनुस्वार के प्रयोग पर ध्यान दें।
- उत्तर लेखन का अभ्यास करते रहें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. दक्षिण भारत में भक्ति आंदोलन में महिला कवियों और संतों के योगदान पर टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Comment on the contributions of women poets and saints to the Bhakti Movement in South India. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भक्ति आन्दोलन :- इस आन्दोलन के तहत भारत में दया, करुणा, भक्ति तथा मानव के प्रति प्रेम की भावना का प्रसार किया गया।

दक्षिण भारत में भक्ति आन्दोलन की दो परम्पराओं की शुरुआत हुई

(1) शैव परम्परा :- भगवान शिव को मानने वाले।

(2) वैष्णव परम्परा :- इसको मानने वाले लोग भगवान विष्णु की पूजा करते थे।

दक्षिण भारत में महिला कवि व संतों का योगदान :-

(1) शैव परम्परा को बढ़ावा दिया तथा इन्होंने बौद्ध व जैन धर्म को नकारकर भगवान शिव की उपासना पर बल दिया। eg. बासवन्ना द्वारा शिव भगवान की उपासना की भक्ति परम्परा की शुरुआत की गयी।

(2) महिलाओं द्वारा इन परम्पराओं में भाग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए। (Candidate must not write on this margin)

~~जैसे कि समाज में [illegible] को लेकर महिला [illegible] को भी बराबर सम्मान की प्राप्ति [illegible] गया।~~

~~(3) [illegible] में भगवान शिव को [illegible] माना जाता है इस धर्म को भी आगे बढ़ाने में [illegible] महिलाएँ भी शामिल थी।~~

~~(4) तमिलनाडु के संत तिरुवल्लुवर की पत्नी के द्वारा हमेशा पतिधर्म का पालन किया गया तथा वहां भक्ति के धर्म को पुष्ट किया।~~

~~(5) कई महिला संतों ने मिनाक्षी मन्दिर में पूजा अर्चनाएँ भी की तथा लोगों को करुणा का पाठ पढ़ाया साथ ही लैंगिक समानता को भी बढ़ावा दिया।~~

~~इस आधार पर दक्षिण भारत में संत व महिलाओं के रूप में एक सम्मानजनक स्थान प्राप्त है।~~

[illegible] परिवर्तनकारी [illegible] महिला संतों के योगदान पर चर्चा करें।

गौण बिन्दुओं को संक्षेप में लिखने का प्रयास करें।

विषयवस्तु की समझ अच्छी है किन्तु अधिकतम महत्वपूर्ण तथ्यों को उत्तर में शामिल करने का प्रयास करें।

2.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारत में विद्यमान अधिकांश कला एवं वास्तुकला के अवशेष अभी भी शेष हैं जो कि प्रकृति में धार्मिक हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Most of the art and architectural remains that survive from ancient and medieval India are religious in nature. Examine. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उत्तर को भूमिका द्वारा प्रारम्भ करने का प्रयास करें।

प्राचीन भारत की कला :-

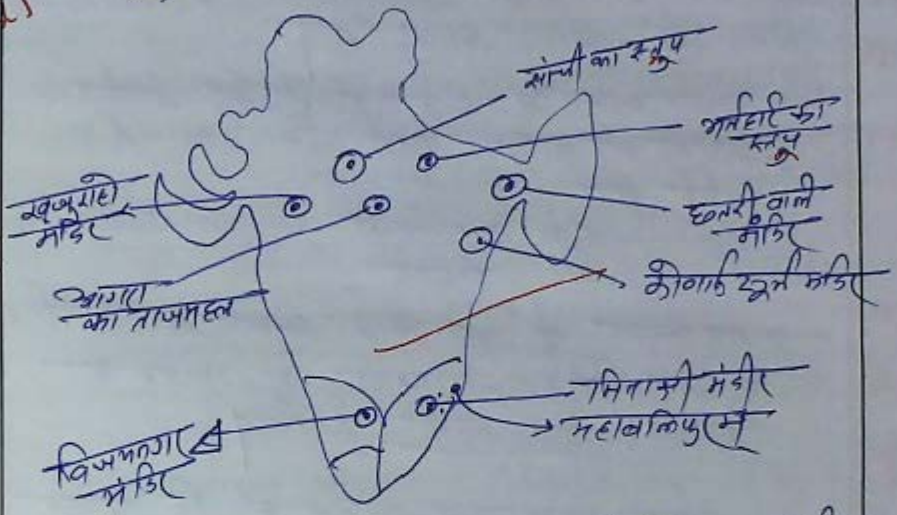

· भीमबेटका शिलाश्रय
· मातृदेवी की टेराकोटा मूर्ति।
इन तथ्यों को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं

प्राचीन काल में :- स्तूप तथा चैत्यों का निर्माण बड़ी संख्या में कराये गये। अगर हम प्राचीन भारत की बात करें तो दक्षिण भारत, मध्यभारत, पूर्वी भारत में मंदिर निर्माण पर विशेष जोर दिया गया।

मध्य काल में :- मध्य काल में आगरा का लाल किला, फतेहपुर सिकरी, बुलन्द दरवाजा, बीबी का मकबरा आदि बनाये गये। जामा मस्जिद बनायी गयी। इस काल में हम धार्मिक तथा धर्मनिरपेक्ष दोनों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रकार की वास्तुकला को पाते हैं।

→ फतेहपुर सीकरी में मस्जिद, मंदिर व मकबरा व दरगाह तीनों हैं।

मध्य युगीन भारत में बना लाल किला एक धार्मिक से नहीं प्रशासनीन बिल्डिंग के रूप में जानी जाती है।

→ प्राचीन काल में कई ऐसे स्थल भी बनाये गये जो धार्मिक नहीं थे

eg. बावड़ियाँ
किले

→ मध्यकाल में भी कई किलों का निर्माण हुआ जैसे - जोधपुर, मेहरानगढ़ का किला, हवा महल आदि।

अतः हम कह सकते हैं कि प्राचीन व मध्यकालीन भारत में स्थापत्य कला में धार्मिक व धर्मनिरपेक्ष दोनों स्थापत्य का निर्माण हुआ लेकिन धार्मिक स्थलों का निर्माण ज्यादा प्राथमिकता वाला रहा।

प्रमुख कृतियों पर ध्यान दें।

वाक्य रचना पर ध्यान दें।

विषयवस्तु की समझ अच्छी है।

(4)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. वैश्वीकरण के आगमन ने भारतीय समाज में पारंपरिक और आधुनिक मूल्यों के बीच टकराव को बढ़ाया है। क्या आप सहमत हैं? (150 शब्द) 10

The advent of globalization has led to a clash between the traditional and modern values in Indian society. Do you agree? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण :- वैश्वीकरण वह प्रक्रिया है जिसके कारण सम्पूर्ण विश्व के मध्य विचारों, वस्तुओं तथा मूल्यों का आदान प्रदान हुआ है जिसके कारण पूरा विश्व एक परिवार की भांति प्रतीत होता है।

भारतीय समाज के पारंपरिक मूल्य :-

1) सहयोग
2) दया
3) संयुक्त परिवार
4) भाषा, खान पान, वेषभूषा की विविधता
5) भाईचारा
6) लोगों के बीच मधुर संबंध होना
7) सहानुभूति
8) पितृसत्तात्मक व्यवस्था का होना
9) महिला शिक्षा पर कम जोर देना
10) महिला भेदभाव जैसे बालविवाह, दहेज प्रथा आदि।

बात पक्ष की संक्षेप में लिखने का प्रयास करें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आधुनिक मूल्य
- दूसरों का सम्मान
- लोकतंत्र
- स्वतंत्रता
- समानता
- महिला शिक्षा
- बन्धुत्व

मूल्यों के बीच टकराव :-

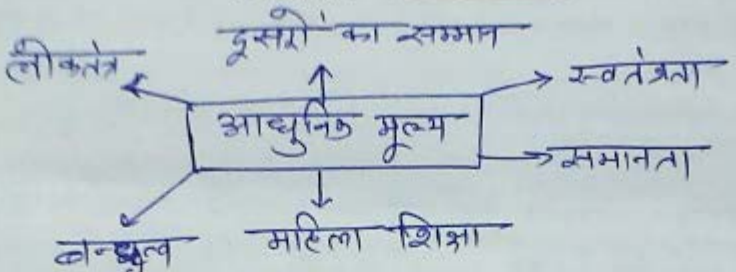

वैश्वीकरण के आने के बाद कुछ पारम्परिक मूल्यों जैसे संयुक्त परिवार की जगह एकल परिवार; खानपान में मैक्डोनाल्डाइजेशन पिज्जा, बर्गर होना; पहनावे में जींस व टीशर्ट का होना आदि कुछ टकराव के बिन्दु मिलते हैं।

लेकिन साथ ही भारतीय कुछ मूल्य जैसे दिवाली, होली व छठ पूजा विदेशों में होती है। भारतीय खाना विदेशों में मिलने लगा है। इस आधार पर मूल्यों में समावेशन भी हुआ है।

इससे स्पष्ट होता है कि वैश्वीकरण तो एक प्रक्रिया है जिससे विचारों का आदान प्रदान होकर एक सामंजस्य पूर्ण समाज का निर्माण होता है।

- अंतर्जातीय विवाह
- लैंगिक समानता

इन तथ्यों को शामिल करें।

योग परम्परा की विश्व में प्रसिद्धि है।

संदर्भ दे पा रही हैं।

वाक्य रचना पर ध्यान दें।

3.5

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. "गरीबी समाज में लैंगिक समानता की तरफ प्रगति को विफल कर सकती है।" स्पष्ट कीजिये।

(150 शब्द) 10

"Poverty can thwart progress towards gender equality in Indian society". Explain.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गरीबी :- यह ऐसी अवस्था है जिसमें व्यक्ति, अपने जीवन की मूलभूत जरूरतों जैसे रोटी, कपड़ा, मकान, स्वास्थ्य व शिक्षा जरूरतों को पूर्ण नहीं कर पाता है।

लैंगिक समानता :- इसके अन्तर्गत महिला व पुरुष में भेद नहीं किया जाता।

गरीबी के कारण लैंगिक समानता पर प्रभाव :-

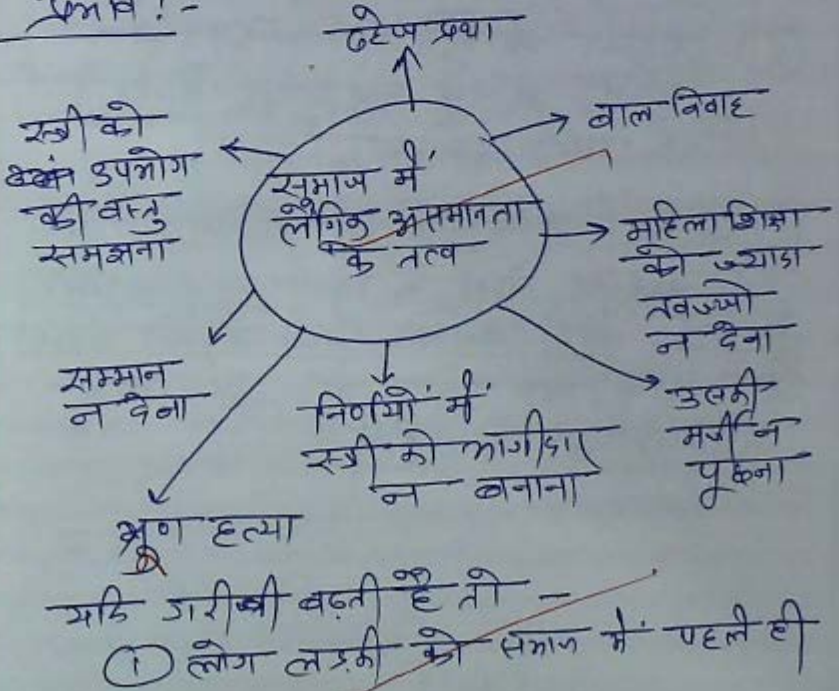

यदि गरीबी बढ़ती है तो —
(1) लोग लड़की को समाज में पहले ही

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

~~[illegible]~~

(2) जल्दी शादी करने का निर्णय ताकि दहेज से बच सके।

(3) महिला की शिक्षा पर कम खर्च करना।

(4) बालिका पोषण पर कम खर्च करना

(5) घरेलू शोषण को बढ़ावा मिलना।

(6) उसका आर्थिक विकास न हो पाना, इससे वह पर निर्भर होगी व उसका शोषण होगा।

सरकार द्वारा देश में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए <u>सुकन्या समृद्धि योजना</u>, <u>बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना</u>, से अब इस क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं।

[illegible] उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।

उत्तर लेखन का प्रयास अच्छा है।

(A)

'र' अक्षर को ~~[illegible]~~ स्पष्टता से लिखने का प्रयास करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5. आदिवासी समुदायों की सामाजिक प्रथाओं और मूल्य व्यवस्था से आधुनिक भारत समाज क्या सीख सकता है? व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

What can modern Indian society learn from social practices and value systems of the tribal communities? Explain. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आदिवासी समुदाय :- वे ऐसे समुदाय है जो सामान्यत: जल, जंगल व जमीन से जुडे लोग है तथा सामान्यत: आधुनिक जीवन की परम्पराओं से कुछ भग्न भिन्न परम्पराओं का अनुसरण करते है।

आदिवासी समाज की प्रथाएँ जो आधुनिक भारतीय समाज के लिए उपयोगी है :-

1> महिला को बराबर सम्मान देना।
2> कई समाज मातृसत्तात्मक होना → मेघालय में खासी जनजाति
3> सम्पत्ति में महिला को प्राथमिकता
4> निर्णयों में महिला की भागीदारी
5> भ्रूण हत्या का न होना
6> जल, जंगल व जमीन को अपने प्राणों से ज्यादा प्यार करना → सहरिया जनजाति
7> लिंगानुपात, आधुनिक भारत से बेहतर होना।
8> वर्ण व्यवस्था न होना।
9> छुआछूत न होना।

इन उदाहरणों को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए)
(Candidate must not write on this margin)

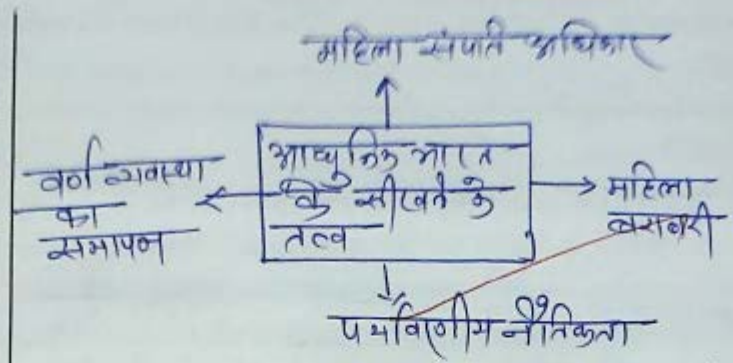

परन्तु कुछ मामलों में आदिवासी पिछड़े हैं जैसे शिक्षा, रोजगार, तथा कुछ समाज में बलि प्रथा का प्रचलन है। यदि ये आधुनिक भारतीय समाज की शिक्षा, रोजगार व बलि न देने की प्रथा को माने तो बेहतर समाज के रूप में प्रगति होगी।

निष्कर्ष में आदिवासी समुदाय की प्रथाओं के प्रभाव को शामिल कर उसे और प्रभावी बना सकते हैं

विषयवस्तु दक्षता अच्छी है

3.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

6. सूखे तथा बाढ़ की दोहरी समस्या का समाधान नदियों को जोड़ना है। सरकार की राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Interlinking of rivers solves the twin problems of drought and flood. Analyse in the context of government's National River Linking Project. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सूखा: जब देश में बारिश की सामान्य मात्रा से 30% से भी कम वर्षा हो।

बाढ़:- जब नदियों का जल इनके मार्ग से फैलकर क्षेत्र को जलमग्न कर दे।

राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना:-

यह केन्द्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना है जिसमें जल की अधिक मात्रा व बारहमासी नदियों के पानी को, जल की कम मात्रा वाली नदियों से जोड़ने की योजना है जिससे बाढ़ व सूखे दोनों की समस्या हल होगी।

इसके तहत शामिल योजना में नदियाँ:-

1> केन - बेतवा नदी जोड़ो परियोजना
2> गोदावरी व कृष्णा
3> कृष्णा व कावेरी के मध्य
4> कृष्णा व तुंगभद्रा के मध्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

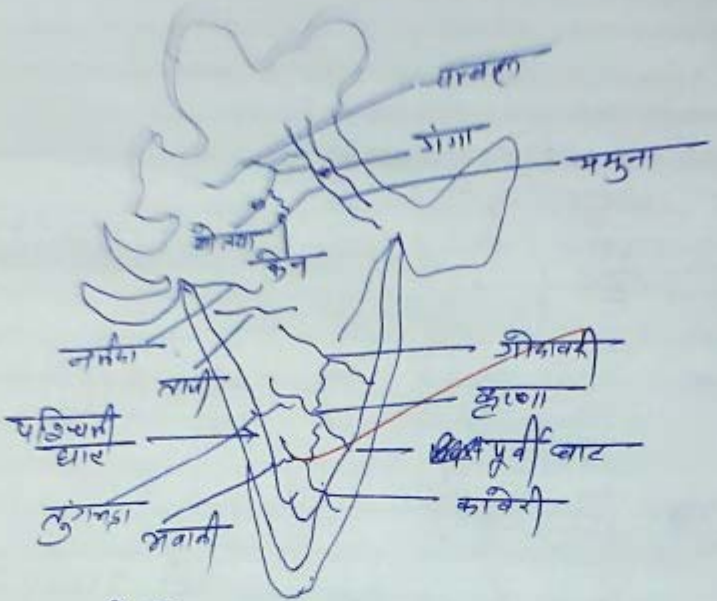

इस परियोजना के लाभ :-

(1) बुंदेलखंड के सूखे क्षेत्र को पानी
(2) मध्य प्रदेश में बाढ़ में कमी
(3) राजस्थान के क्षेत्र में सूखे से निपटना।
(4) निर्धन तथा ग्रामीणों की सूखे की समस्या से निपटना।

इसकी हानि :- (1) पारिस्थितिक तंत्र की हानि
eg. क्षेत्र का जलमग्न होना
(2) लोगों का विस्थापन
(3) गाद की समस्या के कारण बाढ़ की समस्या का हल न होना।

ऐसी परियोजनाओं को व्यापक पर्यावरणीय क्षति आंकलन के बाद क्रियान्वयन किया जाना चाहिए।

अधिकतम महत्वपूर्ण नदियों को शामिल करके अच्छा उत्तर लिखा गया है
4.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. भारतीय जलवायु को निर्धारित करने वाली महत्त्वपूर्ण अवस्थिति तथा उच्चावच संबंधी कारकों की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the important location and relief factors that determine the climate of India. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय जलवायु :- भारतीय जलवायु मानसून प्रकार की है क्योंकि यहाँ मानसून हवाओं का आगमन तथा वापस लौट जाने की एक नियमित प्रक्रिया होती है। ये हवाएँ यहाँ वर्षा करती है तथा जलवायु का निर्धारण करती है।

भारत की जलवायु के निर्धारक कारक

1. हिमालय
2. पश्चिमी घाट
3. पूर्वी घाट
4. हिन्द महासागर
5. कर्क रेखा

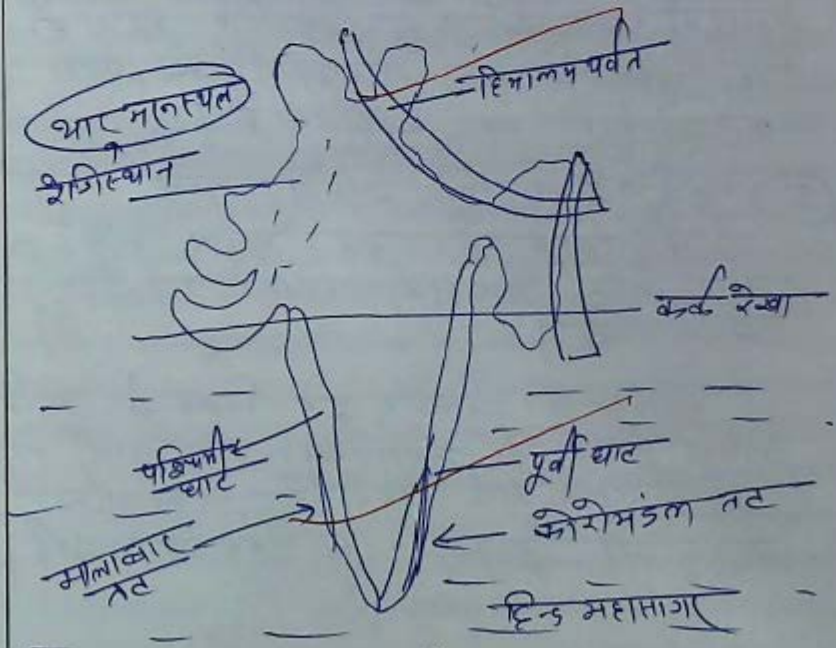

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रभाव :- ① उत्तर में हिमालय होने के कारण उत्तर पश्चिमी हवाओं को रोककर बाधित करना।

② साइबेरिया से आनेवाली हवाओं को रोककर हिमालय आन्तरिक भारत को ठंड से रोकता है।

③ पश्चिमी घाट :- यह उत्तर पश्चिमी हवाओं मानसून के बीच अवरोध पैदा करता है व 200cm से लेकर 400cm तक वर्षा प्राप्त करता है जो जैव विविधता के "Hot spot" में शामिल है।

④ हिन्द महासागर का पश्चिमी व पूर्वी भाग के गर्म होने में अन्तर मानसूनी हवाओं को प्रभावित करता है व अलनीनो व ला नीनो के प्रभाव को घटाता व बढ़ाता है।

⑤ कर्क रेखा के समीप राज्य ज्यादा गर्म होते हैं यह निम्न दाब का क्षेत्र मानसूनी पवनों को आकर्षित करता है।

भारत की जलवायु पूरे विश्व में सबसे ज्यादा भिन्न है यहां एक तरफ गर्मी तो दूसरी तरफ बर्फ रहती है, एक तरफ समुद्र तो दूसरी तरफ हिमालय खड़ा है।

• ऊँचाई
• सागर से दूरी, इन तत्वों को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।

उत्तर लेखन का प्रयास अच्छा है।

4.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

8. क्या रूस 1917 की क्रांति को टाल सकता था? यह क्रांति अपने वादों की पूर्ति में कितनी सफल रही? (150 शब्द) 10

Could Russia have avoided revolution in 1917? How far was the revolution successful in fulfilling its promises? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रूस की 1917 की क्रांति :- 1917 में रूस की जनता तथा लेनिन के नेतृत्व में औद्योगिक दलों ने रूस के निरंकुश शासन ज़ारशाही को हटा दिया तथा वहाँ लेनिन के द्वारा सर्वहारा के शासन को स्थापित किया गया।

रूस की क्रांति क्या टाली जा सकती थी इस पर आने से पहले इन बातों पर ध्यान देना जरूरी है जिसके कारण यह क्रांति हुई :-

किसान

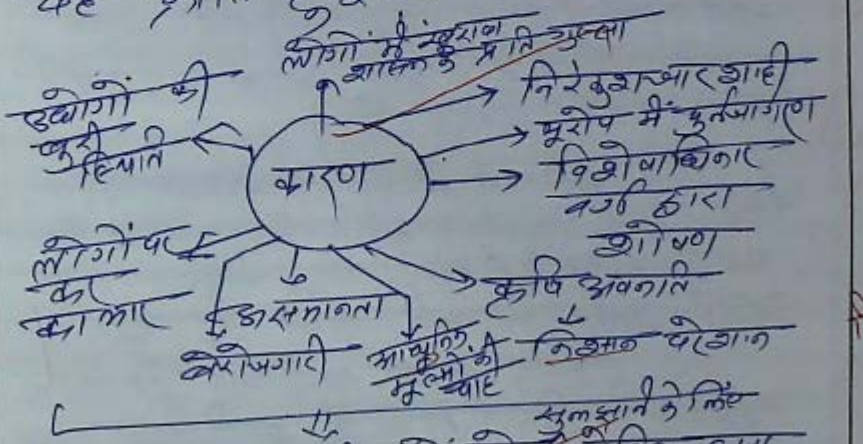

इन सभी मुद्दों को सुलझाने के लिए लेनिन द्वारा जनता को उग्र नेतृत्व प्रदान किया गया थे ऐसे मुद्दे है जो क्रांति होने को अवश्यंभावी बना देते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

क्रांति के कारण :-

① ~~[illegible]~~
② ~~[illegible] का शासन~~
③ ~~पूँजीवाद की आलोचना करना~~
④ ~~साम्यवादी शासन व्यवस्था~~
⑤ ~~सत्ता की असमानता~~
⑥ संसाधनों पर राज्य का नियंत्रण।

क्रांति के बाद लेनिन के कदम :-

Ⓐ. लेनिन द्वारा पूरी तरह साम्यवाद स्थापित न करके मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाया गया इस आधार पर इसकी आलोचना भी हुई इस पर उन्होंने कहा की दो कदम आगे बढ़ने के लिए एक कदम पीछे लिया जा सकता है।

लेनिन ने लोगों को रोजगार प्रदान किए, नयी आर्थिक नीति को लागू किया तथा औद्योगिकीकरण पर जोर दिया इससे क्रांति के कई लक्ष्य पूरे हुए।

परन्तु सभी वादे पूरे करना हमेशा मुश्किल होता है इसी कारण असंतोष धीरे-2 बढ़ता गया जिसे 1991 के सोवियत संघ विघटन के रूप में देख सकते हैं।

· भुखमरी
· बलात श्रम प्रणाली। इन तथ्यों को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।

इस पक्ष को संक्षेप में लिखने का प्रयास करें।

विषयवस्तु के स्तर पर आपकी समझ अच्छी है।

④

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

9. राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान अनेक विदेशी महिलाओं ने भारतीय समाज में सराहनीय योगदान दिया। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Several women from foreign countries made remarkable contributions to Indian society during the national freedom movement. Discuss. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय आन्दोलन :- भारत की आजादी तथा देश के सामाजिक व सांस्कृतिक सुधार के लिए चलाये गये आन्दोलन को राष्ट्रीय आन्दोलन कहा जाता है। इसमें महिलाओं का भी बड़ा योगदान रहा -

(1) एनीबेसेन्ट के द्वारा भारत में होमरूल लीग आन्दोलन (1916) चलाया गया।

↳ लक्ष्य : भारत में स्वशासन की स्थापना।

(2) मैडम ब्लावेत्स्की के द्वारा भारत में थियोसोफिकल सोसाइटी को प्रसारित किया गया जिसका मकसद भारतीय धर्म, दर्शन, वेदान्त व योग आदि को पूरे विश्व में प्रसारित करना व उसे पुनर्जीवित करना था इससे देश में एक अलग आत्मविश्वास किया।

(3) जार्ज अरुण्डेल की पत्नी के द्वारा भारत में सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाया गया।

(4) लेडी बेथून के द्वारा महिला शिक्षा को बढ़ावा देकर उनमें

नेली सेनगुप्ता, मीरा बेन इन महिलाओं के योगदान के चर्चा कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।

वाक्य रचना पर ध्यान दें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आत्म विश्वास भरा और भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के लिए महत्वपूर्ण था।

(5) मैडम भीकाजी कामा ने कनाडा व [illegible] तथा फ्रांस से योगदान किया। विदेशी धरती पर तिरंगा फहराया।

(6) कई गवर्नर जनरलों की पत्नियों ने यहाँ महिला शिक्षा पर काम किया।

इस आधार पर विदेशी महिलाओं ने भी राष्ट्रीय आन्दोलन में विशेष योगदान किया।

विषयवस्तु की समझ अच्छी है।
(3.5)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. स्वतंत्र भारत में सहकारी आंदोलनों के उद्भव के लिये उत्तरदायी सामाजिक-आर्थिक कारक कौन-से थे? साथ ही इन आंदोलनों की मुख्य विशेषताओं को भी रेखांकित कीजिये। (150 शब्द) 10

What were the socio-economic factors responsible for the emergence of the cooperative movement in post-independent India? Also, highlight the key characteristics of this movement. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

सहकारी आन्दोलन :- किसी भी कार्य में कई लोग आपस में मिलकर करते हो जिसमें कोई एक व्यक्ति मालिक न होकर सभी सदस्यों के बीच बराबरी का भाव कायम रहता है ऐसी संस्थाओं को Cooperative संस्था कहते हैं तथा इसके लिए आन्दोलन सहकारी आन्दोलन कहा गया

इनके लिए उत्तर दायी कारण :-

1. देश में भूमि सुधारों का सही से लागू न होना
2. लोगों के पास संसाधनों की कमी होना।
3. लोगों में मिलकर कार्य करने व प्रगति करने की प्रेरणा।
4. समाज में छुआछूत की भावना का होना।
5. एक समान प्रवृत्ति भूमि के लोगों का मिलना।

• रोज़गार का अभाव
• गरीबी
इन तथ्यों को शामिल करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मुख्य विशेषताएँ
- कृषि से ज्यादा संबंधित
- सुधारों की मांग की प्रेरणा
- पूंजी निर्माण के लिए प्रेरित
- एक समान प्रकृति के लोग सामान्य
- नैतिक भावना प्रदान की गयी
- बराबरी का दर्जा देने की भावना

eg. अमूल द्वारा cooperative की स्थापना
→ महाराष्ट्र राज्य महिला cooperative Society.

सरकार द्वारा cooperative को विनियमित करने तथा जांच की संपत्ति को सामान्य करने के लिए संविधान में 9B भाग जोड़ा गया तथा 19(1)(c) के तहत cooperative society बनाने को fundamental right घोषित किया।

• संगठनों के सामूहिक स्वामित्व को आगे बढ़ाया
• हस्तशिल्प एवं लघु उद्योगों में कुम्हार
इन तथ्यों को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।
संदर्भ दिया अच्छी है।
3.5

तथ्यों के दोहराव को कम करने का प्रयास करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. 'व्यपगत सिद्धांत' जैसी कुटिल नीति को तैयार करने हेतु अपनी कुप्रसिद्धि के बावजूद, लॉर्ड डलहौजी ने अनेक अर्थों में आधुनिक भारत की नींव रखी थी। व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite his notoriety for devising the nefarious 'doctrine of lapse' policy, Lord Dalhousie in many respects laid the foundations of modernization in India. Explain. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व्यपगत की सिद्धान्त :- इसके तहत भारतीय राज्यों के (रियासत) वे राजा जिनकी कोई संतान नहीं है वे बच्चा गोद नहीं ले सकते तथा ऐसी रियासतों को ब्रिटिश शासन के प्रत्यक्ष नियंत्रण में ले लिया जाना।

eg. → सतारा
→ संभलपुर
→ झांसी
→ उदयपुर

लार्ड डलहौजी के द्वारा किये गये कार्य :-

सार्वजनिक निर्माण विभाग इस तथ्य को शामिल करें

① डाक की व्यवस्था करना :- इन्होंने भारत में सर्वप्रथम डाक का प्रचलन करना ताकी communication बेहतर हो सके।

② देश में इन्होंने तार की लाइनें खिंचवाई। बिछाई

③ इन्होंने सड़क निर्माण व बंदरगाह निर्माण के आधुनिकीकरण पर ध्यान दिया eg. गुजरात बंदरगाह
बंबई बंदरगाह
कलकत्ता बंदरगाह

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(4) डलहौजी के समय भारत में रेलवे की नींव पड़ी। पहली ट्रेन बाम्बे से थाने के बीच चली।

(5) डलहौजी के द्वारा देश में कई जगह पार्कों का निर्माण कराया गया।

(6) डलहौजी के द्वारा देश में आधुनिक शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया इनका मत पश्चिमी साहित्य तथा अंग्रेजी विषय को लेकर रुझान था।

पार्ल्ट वुड

(7) डलहौजी द्वारा भारतीय सेना में आधुनिक पद्धति से टुकड़ी निर्माण व पुनर्गठन को बढ़ावा दिया गया।

नकारात्मक पक्ष पर चर्चा करें।

(8) इनके द्वारा महिला अधिकारों पर जोर दिया गया व उनकी शिक्षा पर भी जोर दिया।

इन आधारों पर हम कह सकते है कि डलहौजी ने जाने अनजाने में ही सही लेकिन भारत के आधुनिकरण की नींव रख दी। इसी का आगे फायदा राष्ट्रीय आन्दोलन में आधुनिक सुधारक व्यक्तियों द्वारा भागीदारी संभाली गयी व देश की स्वतंत्रता में अमूल्य योगदान दिया गया।

इन पक्षों को संक्षेप में लिखने का प्रयास करें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

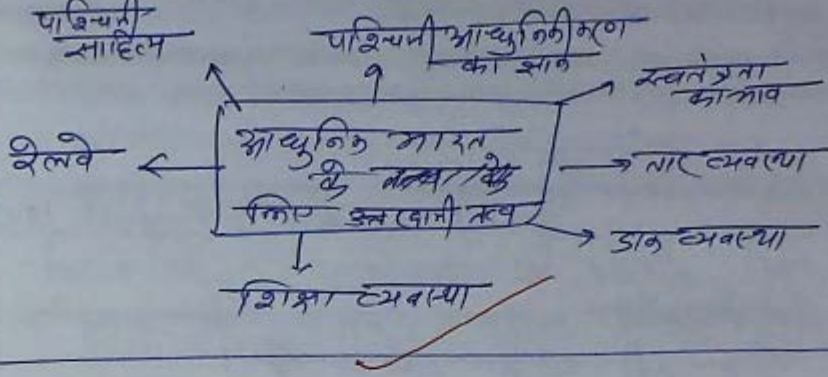

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस प्रश्न के उत्तर के मुख्य भाग में लिखने का प्रयास करें।

विषयवस्तु की समझ अच्छी है

6

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. भारत छोड़ो आंदोलन के प्रति विभिन्न राजनीतिक दलों के दृष्टिकोण का मूल्यांकन कीजिये। यह आंदोलन अन्य सभी गांधीवादी जन-आंदोलनों से कैसे अलग था? (250 शब्द) 15

Evaluate the attitudes of different political parties towards the Quit India Movement. How was this movement different from all other Gandhian mass movements? (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत छोड़ो आन्दोलन :-

इसकी शुरुआत 8 August 1942 को बम्बई के ग्वालिया टैंक मैदान से हुई इसे अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है।

राजनीतिक दलों का दृष्टिकोण :-

(A) गांधीवादी विचारधारा एवं कांग्रेस :-

कांग्रेस ने गांधी जी की साध्य व साधन की पवित्रता का समर्थन किया व हिंसा व हथियारों की जगह सत्य, अहिंसा व सत्याग्रह द्वारा ही अंग्रेजों को भारत छोड़ो अभियान का नारा दिया गया।

(B) फारवर्ड ब्लॉक एवं सुभाषचन्द्र बोस :-

सुभाषचन्द्र बोस साधन की पवित्रता को नहीं मानते थे। उन्होंने ऐसे समय अंग्रेजों पर सैन्य हमला करने का आह्वान किया।

साधन → (सुभाषचन्द्र बोस) → साध्य

साधन ↓ पवित्र अथवा अपवित्र ↓ जैसे: हिंसा / सैन्य कार्यवाही

साध्य ↓ आजादी / स्वतंत्रता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(C) साम्यवादी :- चूंकि भारत छोड़ो आन्दोलन के समय ही द्वितीय विश्व युद्ध भी चल रहा था तथा भारत को भी ब्रिटिश ने युद्ध में शामिल किया था चूंकि रूस पर जर्मनी ने हमला बोल दिया अतः साम्यवादी ब्रिटिश के समर्थन में चले गये। इस प्रकार इन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन को समर्थन नहीं किया।

स्थानीय स्तर पर अनेक साम्यवादियों ने भाग लिया।

(D) पूंजीवादी वर्ग :- पूंजीवादी वर्ग ने भारत छोड़ो आन्दोलन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया वे देश में स्वतंत्र रूप से पूंजीवादी व्यवस्था को लेकर आशावान थे।

मत पक्षों को संक्षेप में लिखने का प्रयास करें।

(E) मुस्लिम लीग :- मुस्लिम लीग व मुस्लिम ... ने भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रियता से भाग लिया वे भी अंग्रेजों के जाने का इन्तजार कर रहे थे ताकि सत्ता में भागीदारी मिले व जिन्ना का पाकिस्तान का स्वप्न भी पूरी तरह दिमाग में था।

आंदोलन का विरोध किया था। अम्बेडकर द्वारा आंदोलन की आलोचना को इस रूप को शामिल करें

(F) दक्षिण राज्यों में जस्टिस पार्टी ने इसका समर्थन किया।

(G) क्रांतिकारी दलों ने भारत छोड़ो आन्दोलन में हिंसा के द्वारा बढ़-चढ़ कर भाग लिया वे अंग्रेजों के जाने के बाद देश में एक समाजवादी व्यवस्था चाहते थे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ :-

(1) यह आंदोलन स्वतः स्फूर्त था क्योंकि सभी प्रमुख नेता 9 August को ही गिरफ्तार हो गये।

(2) इसमें हिंसा व्यापक स्तर पर हुई।

(3) लोगों ने इसमें बढ़चढ़कर हिस्सा लिया तथा सेना का भी मौन समर्थन मिला।

(4) गांधी जी ने इसमें "करो व मरो" का नारा देकर अप्रत्यक्ष रूप से सब कुछ न्यौछावर करने का आह्वान कर दिया।

भारत छोड़ो आन्दोलन की जनता की भागीदारी का परिणाम हुआ कि विश्व पटल पर भारत देश नामक एक स्वतंत्र देश का उदय हुआ।

उत्तर लेखन शैली अच्छी है।

(6.5)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. दक्षिण अफ्रीकी प्रयोग ने महात्मा गांधी को कई परिप्रेक्ष्यों में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष के नेतृत्व के लिये तैयार किया। विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

The South African experiment prepared Mahatma Gandhi for leadership of the Indian national struggle in many respects. Discuss. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गांधीजी दक्षिण अफ्रिका में दादा अब्दुल्ला का मुकदमा लड़ने के लिए गये लेकिन वहा श्वेत सरकार द्वारा किये जा रहे अश्वेतो पर हत्याचार को वे सहन न कर सके व वहीं रुककर लड़ने का निश्चय किया।

दक्षिण अफ्रिका में गांधीजी के प्रयोग :-

① टॉलस्टाय फार्म की स्थापना :- यहाँ आन्दोलन से जुड़े बेसहारा लोगो को आश्रय दिया जाता था।

⇓ भारतीय आन्दोलन में

अहमदाबाद आश्रम वर्धा आश्रम की स्थापना

स्पष्ट करें।

② गांधी जी द्वारा 1906 में अंगूठे वाले परिचय पत्रों के विरुद्ध सत्याग्रह आन्दोलन किया गया

भारत में इन्होंने नमक सत्याग्रह अर्थात सविनय अवज्ञा आन्दोलन किया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(3) गांधी जी ने हमेशा अहिंसा को अपना आदर्श माना था।

⇓

भारत में असहयोग आन्दोलन को हिंसा के कारण वापस लेना

⇓

अर्थात् अहिंसा में पूरी आस्था

(4) गांधीजी ने अफ्रीका में खाली समय में कई रचनात्मक कार्यों पर बल देते थे उसी तरह उन्होंने भारत में आकर भी रचनात्मक कार्य किये –

जैसे ⇒ i) अस्पृश्यता निवारण
ii) स्वच्छता अभियान
iii) खादी को बढ़ावा
iv) कुटिर उद्योग लगाना
v) पशुपालन

(5) लोगों की शक्ति को गांधी जी ने सर्वप्रमुख माना तथा भारत आकर भी गांधी जी ने लोगों की भागीदारी को बढ़ावा दिया

जैसे
→ किसान
→ महिला
→ दलित
→ मजदूर

• संगठन एवं प्रकाशन
• समझौता वार्ता।
इन तथ्यों को शामिल करें।

इन पक्षों को संक्षेप में लिखें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस आधार पर द. अफ्रीका गांधीजी के लिए एक प्रयोगशाला थी तथा उनके प्रयोगों का इस्तेमाल उन्होंने भारत में अच्छे से किया।

संदर्भ देना अच्छी है किन्तु अधिकतम तथ्यों महत्वपूर्ण तथ्यों को उत्तर में शामिल करने का प्रयास करें।

5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. फासीवादी शक्तियों के तुष्टिकरण की पश्चिमी नीति द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी। परीक्षण कीजिये।

(250 शब्द) 15

Western policy of appeasement of the fascist powers caused the Second World War. Examine.

(250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

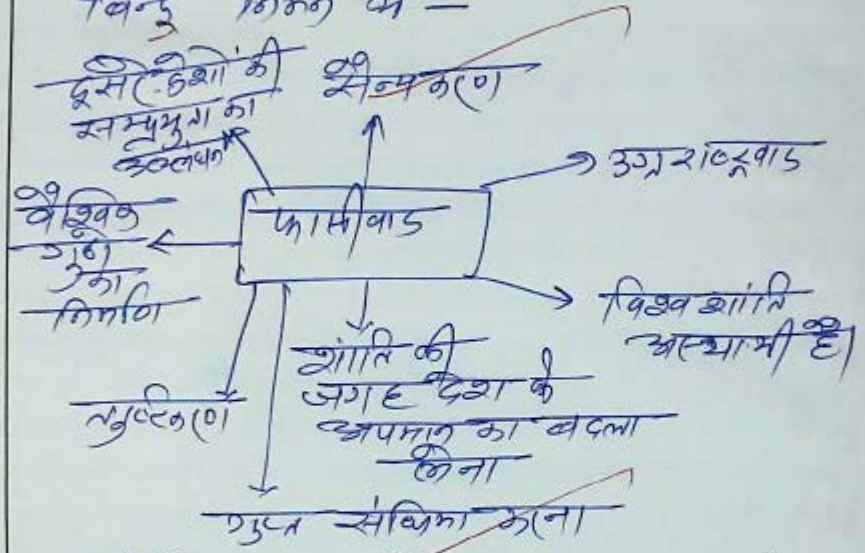

फासीवादी शक्ति :- यह इटली के मुसोलिनी की विचारधारा को रेखांकित करता है। इस विचारधारा के मुख्य बिन्दु निम्न हैं :-

इसी के तहत प्रथम विश्व युद्ध के बाद जर्मनी में हिटलर की नीतियों/क्रियाविधि को भी समान रूप से रेखांकित किया जाता है।

तुष्टिकरण की नीति :-

1> हिटलर द्वारा सैन्यीकरण को निरन्तर देखते रहना

2> हिटलर का रूरलैण्ड माइन्स पर वापस कब्जा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3) हिटलर का आस्ट्रिया के भागों पर वापस कब्जा कर लेना।

4) मुसोलिनी तथा हिटलर के बीच गठबंधन को मजबूत करना।

(5) द्वितीय विश्व युद्ध का बीज तो वर्साय की संधि के द्वारा बो दिया गया था बाकि बाद की परिघटनाएँ तो वर्साय की अपमानजनक संधि का बदला लेने के लिए प्रेरित हुई।

द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनने में तुष्टिकरण की नीति की भूमिका पर चर्चा करें।

प्रश्नानुसार सभी पक्षों पर चर्चा करते हुए उत्तर को निष्कर्ष द्वारा पूर्ण करने का प्रयास करें।

(A)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. कोरियाई युद्ध का अंत करने वाले 'युद्धविराम समझौते, 1953' को प्रभावी बनाने में भारत द्वारा निभाई गई महत्त्वपूर्ण भूमिका की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the vital role played by India in effectuating the 'Armistice Agreement, 1953', that ended the Korean War. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कोरिया युद्ध :- कोरिया प्रायद्वीप का युद्ध उत्तरी कोरिया व दक्षिण कोरिया के मध्य लड़ा गया। इनमें आपसी सैनिक स्थिति का टकराव इसका मुख्य कारण रहा। इस युद्ध में दोनों देशों के मध्य व्यापक हिंसा व आर्थिक नुकसान हुआ।

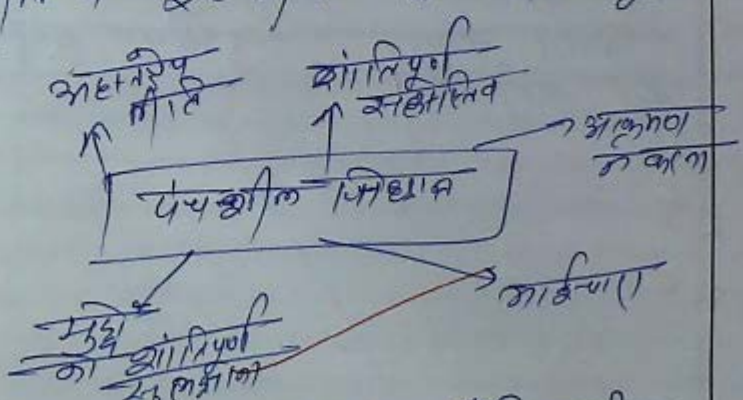

1953 में युद्ध विराम में भारत की तरफ से पं. जवाहरलाल नेहरू की व्यापक भूमिका रही। नेहरू जी का पंचशील का सिद्धान्त आज भी अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति व कूटनीति में महत्वपूर्ण है -

इस युद्ध के बाद द. कोरिया ने अपना ध्यान उद्योग पर लगाया तथा लोकतांत्रिक प्रणाली अपनाई गयी परन्तु

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उत्तरी कोरिया में तानाशाही शासन का बोलबाला रहा।

द. कोरिया के भारत के साथ अच्छे संबंध बने व व्यापारिक तौर पर दोनों देश घनिष्ट संबंधों में है।

द. कोरिया के औद्योगिकरण में कच्चे माल के तौर पर भारत पर्याप्त सहायता प्रदान करता है। साथ में द. कोरिया से हमें विदेश व इलैक्ट्रानिक उपकरणों की आपूर्ति होती है।

उत्तरी कोरिया में तानाशाही शासन के कारण व चीन का प्रभाव होने से भारत के साथ संबंध विकसित नहीं हो सके क्योंकि भारत की विचार धारा वसुधैव कुटुम्बकम की रही है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अनावश्यक पक्ष

युद्धविराम समझौते पर भारत की भूमिका पर चर्चा करते हुए उत्तर को पूर्ण करने का प्रयास करें।

निष्कर्ष को प्रश्न की मांग के अनुरूप लिखने का प्रयास करें

(2)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. राज्यों के भाषायी पुनर्निर्माण ने भारत की एकता को गंभीर रूप से कमजोर किये बिना इसके राजनीतिक मानचित्र को तर्कसंगत रूप प्रदान किया। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The linguistic reorganization of states resulted in rationalizing the political map of India without seriously weakening its unity. Examine. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राज्यों का भाषायी पुनर्निर्माण :-

देश में नये राज्यों के निर्माण का मुख्य आधार भाषायी रूप से एक जैसे क्षेत्र को महत्व देना

eg. आन्ध्रप्रदेश → 1953
गुजरात → गुजराती
महाराष्ट्र → मराठी भाषा

आजादी के तुरन्त बाद ही भाषा को लेकर दक्षिण के राज्यों द्वारा भी मांग की गयी कि इनका पुनर्गठन भाषा के आधार पर किया जाये। इस आन्दोलन में कांग्रेस के नेता श्री रामालु की मृत्यु हो जाने से आन्दोलन और उग्र हो गया।

नवोदित राष्ट्र के समक्ष समस्या :-

1. कानून व प्रशासन को बनाना
2. देश में बेरोजगारी
3. देश में असमानता
4. कृषि व उद्योगों की बिना दशा
5. लोगों की आकांक्षाएं पूरी करना

इन सब के होने के बावजूद एक और

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समस्या का जन्म लेना संविधान निर्माण के समय बड़ी समस्या थी।
इसके लिए तीन आयोगों की स्थापना की धर आयोग, जे वी पी समिति तथा फजल अली आयोग।

→ फजल अली आयोग ने देश की शांति व सुरक्षा के लिए भाषायी राज्यों की गठन की मांग को स्वीकार कर लिया गया। परन्तु निम्न शर्तें भी शामिल थी (1) प्रशासनिक एकरूपता
(2) बहुभाषी होना
(3) भौगोलिक एकता व समानता

→ भाषा के आधार पर राज्यों का गठन कर देश में एक प्रमुख व बड़ी समस्या को शांति पूर्वक निपटा लिया गया इससे भारतीय संघ कमजोर होने की जगह ज्यादा मजबूत होकर उभरा क्योंकि इसके बाद इन राज्यों में कई सालो तक शांति रही।

→ परन्तु मूल्यांकन करने पर पाते है कि राज्यों की मांग कहीं न कहीं भाषा को न लेकर आर्थिक पिछड़ापन भी है। eg. महाराष्ट्र में विदर्भ की मांग
गुजरात में सौराष्ट्र की मांग
आंध्रप्रदेश से तेलंगाना अलग होना।

उत्तर पत्र को संक्षेप में लिखने का प्रयास करें।

मांगों पर थोड़ा विस्तार से चर्चा करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः भविष्य में ऐसी मामले ज्यादा सामने आने उनसे निपटने का सही रास्ता आर्थिक विषमता को समाप्त कर समावेशी विकास को बढ़ावा देना है।

आशायी पुनर्निमाण के नकारात्मक पक्षों पर चर्चा करें।

विषयवस्तु दक्षता अच्छी है किन्तु प्रश्नानुसार सभी पक्षों को उत्तर में शामिल करने का प्रयास करें।

3.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. विश्व के वलित पर्वतों के महाद्वीपों के किनारों पर स्थित होने के पीछे के कारण बताइये। वलित पर्वतों की उपस्थिति भूकंपीय गतिविधियों और ज्वालामुखीयता से कैसे संबंधित है? (250 शब्द) 15

Provide reasons behind the location of the world's fold mountains on the margins of the continents. How is the existence of fold mountains associated with seismic activities and volcanism? (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वलित पर्वत :- वलित पर्वतों का निर्माण दो प्लेटों के टकराने के कारण होता है।

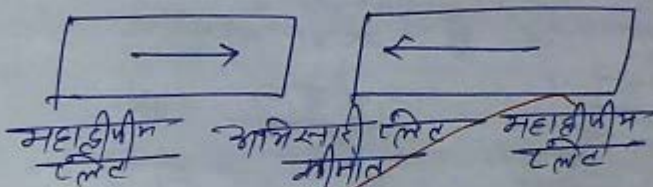

वलित पर्वतों के उदाहरण
→ हिमालय
→ रॉकी पर्वत
→ एण्डीज पर्वत माला

वलित पर्वतों की उत्पत्ति को हिमालय के संदर्भ में समझ सकते है तथा साथ ही भूकम्प व ज्वालामुखी का कारण भी इससे समझ सकते हैं।

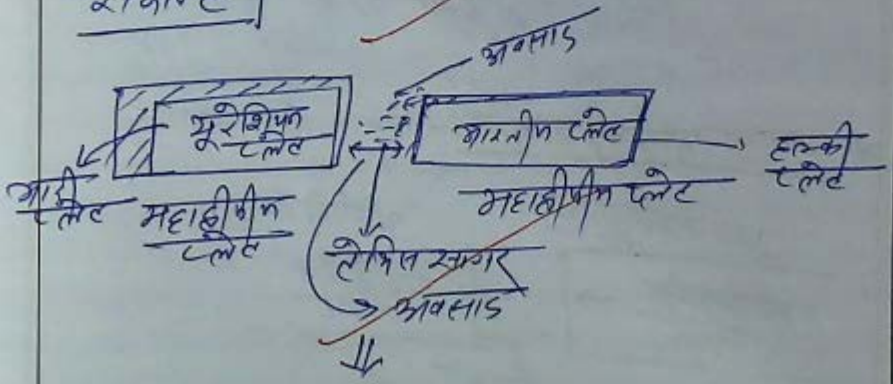

अवसादों में वलन पड़ने से निर्मित। ज्ञान तथ्यों शामिल करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

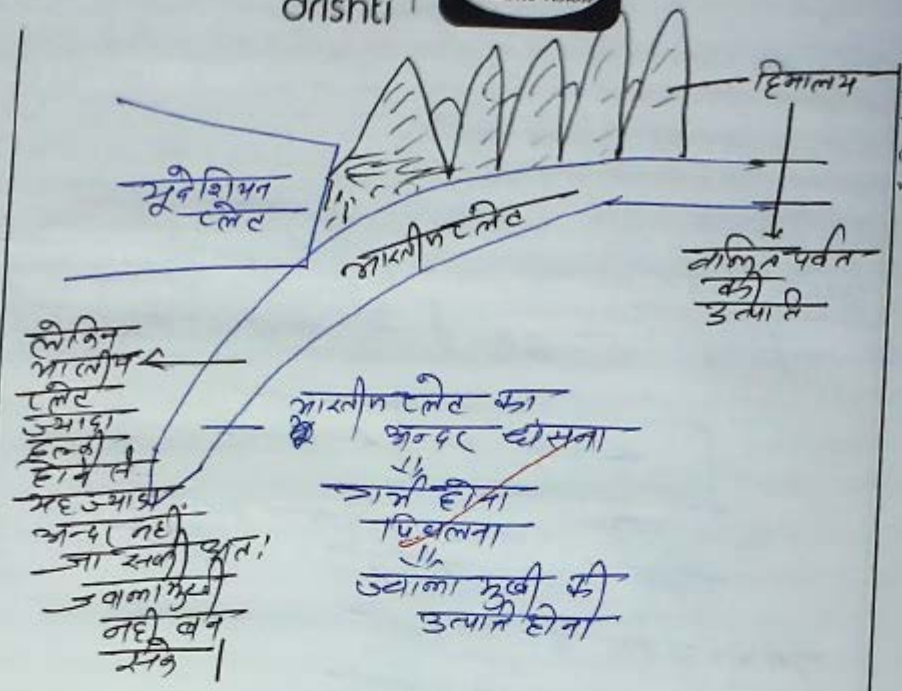

लेकिन भारतीय प्लेट ज्यादा हल्की होने से यह ज्यादा अन्दर नहीं जा सकी अतः ज्वालामुखी नहीं बन सके।

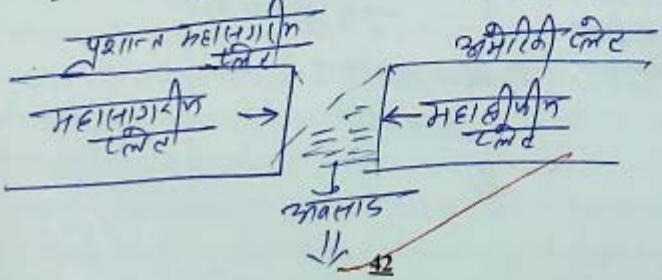

भारतीय प्लेट का अन्दर धंसना
⇓
गर्म होना
पिघलना
⇓
ज्वालामुखी की उत्पत्ति होना

अभिसारी प्लेट सीमांत
⇓
पास आने पर प्लेटों के बीच में तनाव होना
⇓
तथा भूकम्प आना

ज्वाला मुखी की उत्पत्ति :- eg. रॉकी पर्वत

⇓

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

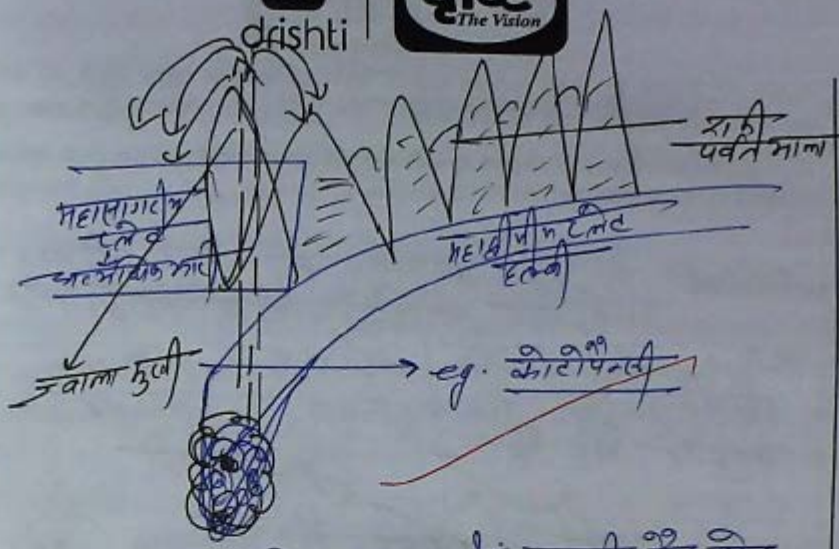

→ जब दो प्लेट आपस में टकराती है तो एक प्लेट (भारी) से दूसरी प्लेट टकराती है तथा उनके बीच तनाव बल के कारण भूकम्प आते है।

भारी प्लेट के नीचे हल्की प्लेट के धसने से वह Asthenosphere के उच्च तापमान से पिघलने लगती है व लावा के रूप में ज्वालामुखी का रूप लेती है।

→ ज्यादातर वलित पर्वत महाद्वीपीय सीमांत पर होते है क्योंकि उनके निर्माण के लिए अवसाद समुद्री सतहों से मिल जाते है तथा व्यापक तनाव बल उत्पन्न हो पाता है।

प्रश्न की माँग के अनुरूप अच्छा उत्तर लिखा गया है

7

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

18. हिंदूकुश और हिमालय के हिमनदों के विशेष संदर्भ में हिमनदों के महत्त्व पर प्रकाश डालिये और उनके द्वारा सामना किये जाने वाले खतरों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Highlight the importance of glaciers and discuss the threats faced by them, with special reference to Hindu Kush and Himalayan glaciers. (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हिमनद :- ये बर्फ के रूप में समुद्र की तरह पानी को समेटे पानी के स्रोत के अथाह सागर हैं। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के कारण इन पर खतरे मंडरा रहे हैं -

हिमनदों का महत्व :-

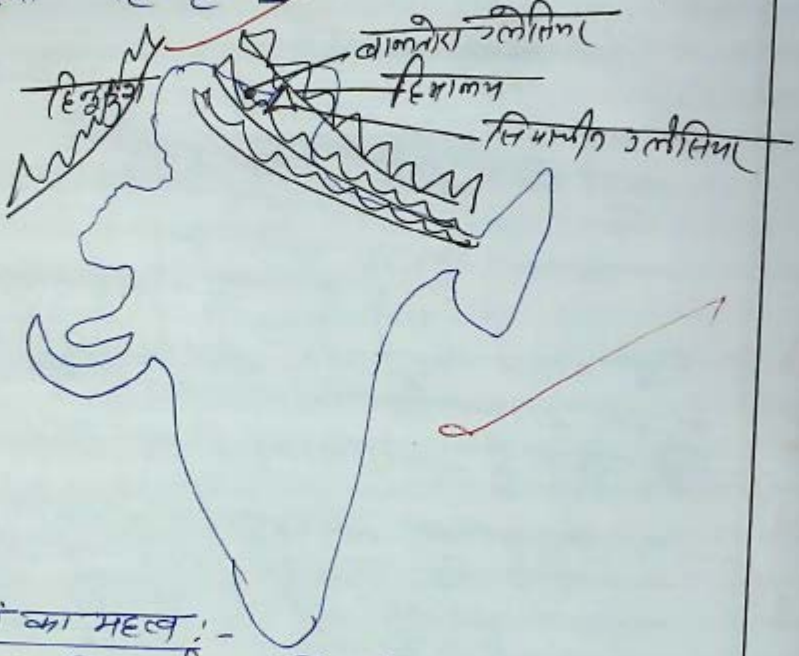

① ये कई नदियों के जल का स्रोत हैं eg. ब्रह्मपुत्र
गंगा
जमुना
काबुल नदी
सिंधु नदी।

• ग्लेशियर का तलछट हिमनद हेतु उपजाऊ मृदा इन तथ्य को शामिल कर उत्तर और प्रभावी बना सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) ये सूर्य की किरणों को परावर्तित कर पृथ्वी के तापमान का संतुलन करते हैं।

(3) जल के स्वच्छ स्रोतों के भंडार के रूप में।

(4) ये आर्कटिक की ठंडी हवाओं से भारतीय महाद्वीप की रक्षा करते हैं। } स्पष्ट करें।

(5) पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण।

(6) जैवविविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण

eg. → स्नो लेपर्ड
→ हिम तेंदुआ
→ हिमालय ताहर

इनके द्वारा सामना किये जा रहे खतरे :-

(1) जलवायु परिवर्तन व Global warming के कारण इनका पिघलना।

(2) इनका हिमनद ग्लेशियर के रूप में परिवर्तन जो बाढ़ का कारण है।

(3) यहाँ पर्यटन गतिविधियों के कारण Pollution की समस्या।

(4) निर्माण गतिविधियों के कारण इनके नष्ट होने की समस्या।

(5) Battleground के रूप में इनका परिवर्तन होना।

हिमनदों से सम्बन्धित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के उदाहरण को शामिल कर उत्तर को और प्रभावी बना सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

[illegible] कि [illegible] की [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] चाहिए। [illegible] की
[illegible] की तरह यहाँ भी अनुसंधान
[illegible] स्थापित करना चाहिए।

उत्तर लेखन का प्रयास अच्छा है

7

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के निर्माण को स्पष्ट कीजिये। बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के लिये अधिक प्रवण क्यों है? विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Explain the formation of tropical cyclones. Discuss why the Bay of Bengal is more prone to cyclones? (250 Words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात :- ये उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों के गर्म आर्द्र जलवायु व समुद्र के ऊपर बनने वाली हवा के तीव्र उर्ध्वाधर रूप है जो 250 km तक फैले होते है।

चक्रवात का निर्माण :- अनुकूल परिस्थितियाँ

(1) निम्न दाब का क्षेत्र होना
(2) लगातार गर्म हवा व ऊष्म आर्द्रता युक्त हवा द्वारा ऊर्जा का छोड़ना।
(3) समुद्री सतह
(4) तापमान 21-24°C होना 27°C से अधिक
(5) Vertical wind का स्वभाव न करने वाली क्षैतिज (तीव्र) पवनों का न बहना।

कोरियोलिस बल की उपस्थिति को इसमें शामिल करें।

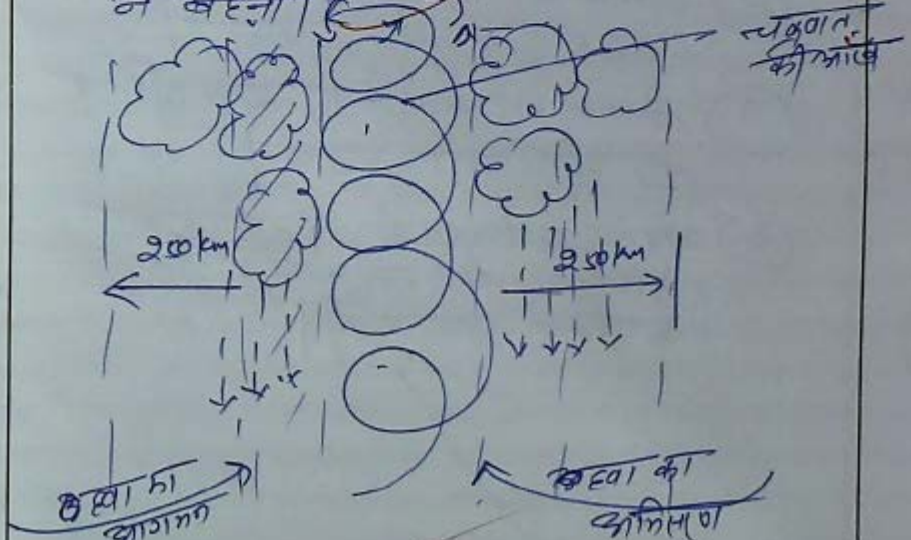

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस प्रश्न को संक्षेप में लिखें।

→ चक्रवात की आंख में निम्न वायुदाब होता है।

→ आँख के दोनों ओर उसकी दिवार होती है।

→ चक्रवात की दिशा
↳ उत्तरी गोलार्द्ध → Anti Clockwise
दक्षिणी गोलार्द्ध → clockwise

→ आँख के बाहर तीव्र वर्षा व प्रचंड गर्जना।

→ इनको विभिन्न नाम से जाना जाता है।
eg. अटलांटिक क्षेत्र - टाइफून
आस्ट्रेलिया - विली विली।

चक्रवातों के निर्माण पर स्पष्टता से चर्चा करते कुछ निष्कर्ष द्वारा उत्तर को पूर्ण करने का प्रयास करें।

बंगाल की खाड़ी अधिक चक्रवात का कारण :-

(1) नदियों द्वारा स्वच्छ जल अत: यहाँ वाष्पीकरण ज्यादा होता है।

(2) बंगाल की खाड़ी में कर्क रेखा के कारण तापमान ज्यादा।

(3) बंगाल की खाड़ी पर एलनीनो व ला नीना का प्रभाव।

(4) यहां october में लौटता हुआ मानसून भी बहुत तीव्र चक्रवात के लिए उत्तरदायी।

4.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

20. जहाँ भारतीय अल्पसंख्यक धर्मनिरपेक्षता को सबसे बड़ी शक्ति एवं आश्वासन के रूप में देखते हैं वहीं अनेक पश्चिमी देशों, जैसे फ्रांस इससे खतरा महसूस करते हैं। स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 15

While the Indian minorities see secularism as the biggest strength and assurance, the minorities in many western countries, like France, feel threatened by it. Explicate. (250 Words) 15

(अभ्यर्थी को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। / Candidate must not write on this margin)

धर्मनिरपेक्षता :- धर्म को लेकर राज्य तथा धर्म में एक उचित दूरी बनाए रखा जाना धर्मनिरपेक्ष कहलाता है।

भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता :-

भारत में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ है -

1. राज्य का कोई धर्म नहीं
2. सभी धर्मों का समान आदर
3. सभी धर्मों का बराबर सम्मान
4. सभी धर्म समान दृष्टि से।
5. धर्म में सकारात्मक हस्तक्षेप।
6. धर्मों की बराबरी पर बल।
7. राज्य किसी धर्म को बढ़ावा नहीं देगा।
8. राज्य धन को किसी विशेष धर्म के लिए उपयोग नहीं करेगा।

भारत की इस तरह की धर्मनिरपेक्षता तथा Article 25 से 28 तक मिले

(अल्पसं. के हेतु योजनाएँ इस तथ्य में शामिल कर उत्तर में और प्रभावी बना सकते हो)

(इस पक्ष को संक्षेप में लिखें)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अधिकार भारतीय अल्पसंख्यकों को हमेशा निश्चिंत माहौल प्रदान करने का कार्य करते हैं।

भारतीय राज्य कभी भी सरदारों को कृपाण धारण, पगड़ी धारण करने से मना नहीं करता है।

फ्रांस की धर्मनिरपेक्षता :- फ्रांस में चर्च क्रांति राज्य तथा धर्म के बीच पूरी तरह अलगाव है वहाँ धर्म एक निजी मामला है।

- → फ्रांस में सरदारों को कृपाण रखने की मनाही है।
- → फ्रांस में मुस्लिम महिलाओं के बुर्के पहनने पर भी बैन लगाया गया था।

इन सभी का परिणाम फ्रांस में कट्टरता और जन्म के रूप में देखा गया। फ्रांस में कई साम्प्रदायिक घटनाएँ हुईं।

इसलिए विश्व के देशों को भारतीय धर्मनिरपेक्षता से सीख लेनी चाहिए।

धर्मनिरपेक्षता का नकारात्मक स्वरूप। इन तथ्यों को शामिल करें।

प्रश्न की माँग के आधार पर अच्छा उत्तर लिखा गया है।

7

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation